हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शनिवार 29 नवंबर 2025

तापमान

अधिकतम 26.9 डिग्री

न्यूनतम 11.7 डिग्री

12 चार हजार से ज्यादा म्यूल अकाउंट के जरिए 60...

12 बिजली के मीटर की जांच कराने पर 500 और 1000...

वनडे मैच की सभी 48 हजार टिकट बिके, अब नहीं होगी बुकिंग, टीम बना रही रोमांचक मैच के लिए पिच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 दिसंबर को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले वनडे मुकाबले के लिए टिकटों को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। दूसरे चरण की ऑनलाइन बुकिंग शुक्रवार शाम 5 बजे शुरू होते ही सिर्फ 20 मिनट में ही सभी टिकट बिक गए। क्रिकेट संघ के अनुसार, स्टेडियम के लिए निर्धारित कुल 48 हजार टिकट अब पूरी तरह से बिक चुके हैं। यानी अब किसी भी तरह की ऑनलाइन बुकिंग दोबारा शुरू नहीं की जाएगी। दूसरे चरण में करीब 20 हजार टिकट बेचे गए, जबकि पहले चरण में भी इतनी ही संख्या में टिकट बुक किए गए थे। अब शनिवार से इंडोर स्टेडियम में फिजिकल टिकट लेने के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने की संभावना है।

स्टेडियम में बन रही पिच से फास्ट और स्पिन गेंदबाजों को मिलेगी ताकत

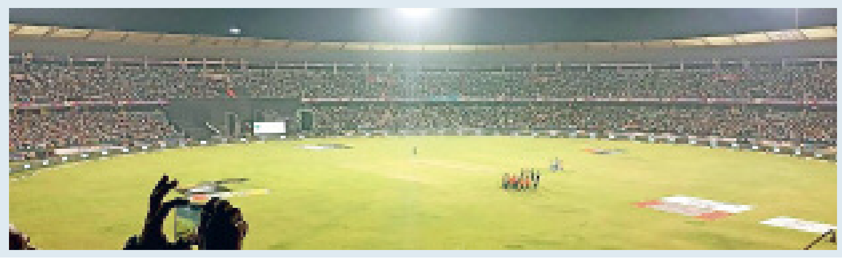

पिच तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

3 दिसंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले दूसरे वनडे मैच को लेकर रायपुर में तैयारियां जोरों पर हैं। पिच निर्माण के लिए बीसीसीआई की विशेषज्ञ टीम रायपुर पहुंच चुकी है और स्टेडियम में काम शुरू हो चुका है। टीम के सदस्यों के अनुसार इस बार जो पिच तैयार की जा रही है वह खास है। इसमें फास्ट बॉलर्स को भी मदद मिलेगी और स्पिनर्स को भी टर्न मिलेगा। साथ ही गेंद स्विंग भी करेगी। उन्होंने बताया कि यह पिच यहां पहली बार इस तरह से तैयार की जा रही है, जो दोनों टीमों के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक मुकाबला तय करेगी।

टीम इंडिया 1 दिसंबर से रायपुर पहुंचेगी

1 दिसंबर से टीम इंडिया का रायपुर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। टीम शाम तक रायपुर पहुंचेगी, जिसके बाद सीधे होटल जाएगी। इसके बाद 2 तारीख को सुबह व शाम के वक्त अभ्यास करेगी। दोनों टीम नया रायपुर स्थित मेयफेयर होटल में ठहरेगी। इस दौरान होटल में कोई भी बाहरी गेस्ट नहीं रहेगा। टीम के सदस्यों से कोई मुलाकत नहीं कर पाएगा।

खबर संक्षेप

चोरी के आरोप में धरा गया नाबालिग, सामान जब्त

रायपुर। कबीर नगर थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए चोरी के आरोप में एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। अटल आवास निवासी देव कुंवर मरावी के सूने मकान से 40 हजार रुपए नकदी सहित 70 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवर चोरी करने के आरोप में नाबालिग को पकड़ा है। नाबालिग ने 25 नवंबर के पूर्व चोरी की घटना को अंजाम दिया था। नाबालिग के कब्जे से पुलिस ने 40 हजार रुपए के करीब कैश तथा ज्वेलरी जब्त की है।

एटीएम काटकर चोरी की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर पुलिस ने एटीएम काटकर रुपए चोरी करने की कोशिश करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। एटीएम काटकर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने कोंडागांव निवासी समीर नेताम को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना के कुछ घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस के अनुसार समीर यू-ट्यूब देखकर एटीएम का लॉक तोड़कर चोरी करने का तरीका सीखा था।

चाकू बरामद युवक गिरफ्तार

रायपुर। कबीर नगर थाने की पेट्रोलिंग पुलिस ने चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पेट्रोलिंग के दौरान वाल्मीकि नगर श्मशानघाट के पास संदिग्ध हालत में छिप रहे युवक को पकड़कर पूछताछ कर तलाशी लेने पर उसके पास से चाकू बरामद किया। चाकू के साथ पुलिस ने विनोद राणा उर्फ बठुवा को गिरफ्तार किया है। विनोद के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है।

रोड पार कर रहे युवक की ट्रक से कुचलकर मौत

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में रोड क्रॉस कर रहे एक अज्ञात युवक की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना शुक्रवार दोपहर सवा 3 बजे के करीब है। पुलिस के अनुसार भाठागांव, रिंगरोड स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पास एक युवक, जिसकी उम्र 35 वर्ष करीब है, रोड क्रॉस कर रहा था।

रेलवे मुख्यालय से मिल चुकी है मंजूरी, अधिक आवाजाही वाले स्टेशनों पर काम होगा शुरू

रायपुर मंडल के स्टेशन बनेंगे दिव्यांग फ्रेंडली लिफ्ट-एस्केलेटर से लेकर रैंप तक की रहेगी सुविधा

- लगभग 200 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे और इसे दो साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है
- ब्रेल साइन की मदद से यात्रियों को रैंप, लिफ्ट, एस्केलेटर, टिकट काउंटर और खानपान के स्टॉल की जानकारी मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे स्टेशन पहुंचने वाले दिव्यांग यात्रियों के लिए रायपुर मंडल में सुविधाएं जल्द ही और बेहतर होने वाली हैं। खासतौर पर दिव्यांग यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने मंडल के 47 से अधिक स्टेशनों को दिव्यांग फ्रेंडली बनाने की योजना तैयार की है। अब तक छोटे स्टेशनों में लिफ्ट, रैंप, एस्केलेटर या ब्रेल साइन जैसे सहायक सिस्टम नहीं थे, जिससे दिव्यांग यात्रियों को काफी दिक्कत होती थी, लेकिन ▶▶|शेष पेज 11 पर

हरिभूमि सरोकार

दो साल में मंडल स्टेशन दिव्यांग फ्रेंडली बनेंगे

मंडल के स्टेशनों को दिव्यांग फ्रेंडली बनाया जाएगा। दिव्यांगों के लिए छोटे स्टेशनों में भी रैंप, लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी मुलभूत सुविधाएं दी जाएंगी। मंडल के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। 200 करोड़ की लागत से दो साल में दिव्यांग फ्रेंडली बनाएंगे।

- **अवधेश कुमार त्रिवेदी,** सीनियर डीसीएम, रेलवे मंडल रायपुर

छोटे स्टेशनों पर मिलेंगी ब्रेल संकेतकों से सुविधाएं

रायपुर मंडल के अधिकतर छोटे स्टेशनों पर वर्तमान में दिव्यांगों के लिए मुलभूत रूप से रैंप जैसी आधारभूत सुविधाएं नहीं हैं। रायपुर और दुर्ग जैसे बड़े स्टेशनों को छोड़ दें तो बाकी जगहों पर दिव्यांग यात्रियों को आम यात्रियों के रास्तों से गुजरना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। रेलवे अब दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए स्टेशनों पर ब्रेल संकेतक भी लगाएगा। इससे वे बिना किसी मदद के प्लेटफार्म तक पहुंच सकेंगे। ब्रेल साइन की मदद से यात्रियों को यह जानकारी मिलेगी कि रैंप, लिफ्ट, एस्केलेटर, टिकट काउंटर और खानपान के स्टॉल कहां हैं। यह सुविधा मिलने के बाद छोटे स्टेशनों पर भी दिव्यांग यात्रियों के लिए यात्रा सहज और सुरक्षित बन सकेगी।

अब हर स्टेशन पर मिलेंगी स्मार्ट सुविधाएं

रेलवे का उद्देश्य दिव्यांग यात्रियों की यात्रा को ज्यादा सुलभ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है। 2018-19 में शुरू हुए मिशन दिव्यांग के तहत रायपुर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर व्हीलचेयर, रैंप, दिव्यांग शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं शुरू की गई थीं। अब अमृत भारत योजना के तहत जिन स्टेशनों को पहले शामिल नहीं किया गया था, वहां भी 200 करोड़ की लागत से सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। मंडल में रोजाना हजारों दिव्यांग यात्री ट्रेनों से सफर करते हैं, जिनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब सभी छोटे-बड़े स्टेशनों पर व्हीलचेयर, ब्रेल साइन, रैंप और लिफ्ट जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।जो यात्री चलने में असमर्थ हैं, उनके लिए स्टेशन पर उपकरण उपलब्ध रहेंगे ताकि वे व्हीलचेयर की मदद से ट्रेन के कोच तक आसानी से पहुंच सकें।

आंबेडकर अस्पताल से बच्चा चोरी, मां-बेटी को 10 साल कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 10 माह पूर्व की घटना, पुलिस ने ट्रेन पुलिंग कर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार किया था

मौदहापारा थाना क्षेत्र स्थित आंबेडकर अस्पताल में 10 माह पूर्व नवजात का अपहरण करने के आरोप में कोर्ट ने दो महिलाओं को 10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। घटना में सह आरोपी युवक को कोर्ट ने बरी कर दिया है। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश बृजेश रॉय की कोर्ट में हुई है। नवजात चोरी करने वाली महिलाओं की पहचान

अस्पताल में लगे सीसीटीवी फूटेज से हुई थी। अतिरिक्त लोक अभियोजक जानकी बिल्थरे के अनुसार कोर्ट ने रानी साहू तथा उसकी बेटी पायल को कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट में पेश केस डायरी के अनुसार नीता रात्रे तीन जनवरी को डिलीवरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुई थी। नीता की देख-रेख के लिए उसकी सास ▶▶|शेष पेज 11 पर

ऐसे लिया था झांसे में

अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड में भर्ती अन्य महिलाओं ने अस्पताल प्रबंधन को बताया था कि रानी तथा उसकी बेटी पायल अस्पताल में भर्ती कई अन्य प्रसूता महिलाओं के साथ मिल रही थीं। नीता तथा उसकी सास साफ्ट टार्गेट दिखी। इसके कारण दोनों ने नीता तथा उसकी सास के साथ मेल-जोल बढ़ाया। रानी ने नीता की सास से सहानुभूति बटोरने कहा कि उसकी बहू का मेजर ऑपरेशन से डिलीवरी हुई है। डिलीवरी होने के बाद उसकी बहू ने एक नवजात को जन्म दिया। जन्म देने के कुछ देर बाद नवजात बच्ची की मौत होने का झांसा दिया। दूसरे दिन चार जनवरी को नीता तथा उसकी सास लंच लेने के बाद हाथ धोने गए। इस दौरान रानी तथा उसकी बेटी नीता का बच्चा चोरी कर ले गए।

आयुष्मान वाले अस्पतालों को देना होगा एमबीबीएस डाक्टरों का लेखा-जोखा नहीं तो रिजेक्ट होंगे क्लेम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 20 बेड की क्षमता वाले अस्पताल में 3 एमबीबीएस डाक्टर होना जरूरी

शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के पंजीकृत अस्पतालों को कार्यरत एमबीबीएस डाक्टरों का लेखा जोखा देना होगा। योजना से संबंधित जानकारी उन्हें आयुष्मान के नए पोर्टल में अपलोड करनी होगी। ऐसा नहीं करने पर संबंधित अस्पताल के क्लेम रिजेक्ट भी होंगे। नियम के मुताबिक 20 बेड की क्षमता वाले अस्पताल में चौबीस घंटे के लिए तीन डाक्टरों का होना जरूरी है। साथ ही एक डाक्टर तीन अस्पतालों में अपनी सेवा दे सकते हैं। जानकारी के अनुसार निजी अस्पतालों द्वारा योजना के हितग्राही मरीजों के इलाज के लिए तय किए गए नियमों का पालन पूरी तरह नहीं किए जाने की बात

सामने आती रहती है। नेशनल फ्राड इंवेस्टीगेशन सेल द्वारा इसकी जानकारी समय-समय पर भेजी जाती है। इनमें बड़ा मुद्दा नियम के मुताबिक एमबीबीएस डाक्टरों की कमी का है। इसे ध्यान रखते हुए अस्पतालों को योजना के नए पोर्टल में अस्पताल से संबंधित अन्य जानकारी भी अपलोड किया जाना है। इसके जरिए इस बात का पता लगाया जा सकेगा कि अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में पात्र डाक्टर अपनी सेवा दे रहे हैं अथवा नहीं। सूत्रों का दावा है, ▶▶|शेष पेज 11 पर

डाक्टरों की आईडी भी

योजना के अनुसार डाक्टरों की व्यक्तिगत आईडी भी बनाई गई है। इस आईडी का उल्लेख क्लेम के दौरान मरीजों के दस्तावेजों के आधार पर किया जाता है। दूसरी ओर इसके माध्यम से यह भी पता चलता है कि संबंधित डाक्टर कितने अस्पतालों में अपनी सेवा दे रहे हैं और वे सरकारी है अथवा प्रायवेट..? नियम के अनुसार एक चिकित्सक तीन अस्पतालों में सेवा प्रदान कर सकते हैं। अक्सर यह बात सामने आती है कि कई विशेषज्ञ डाक्टरों के नाम तीन से ज्यादा अस्पतालों में उपयोग किए जाते हैं।

जिले में 30 तक का वक्त

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी ने अस्पतालों को निर्धारित पोर्टल में 30 नवंबर तक जानकारी अपलोड करने का वक्त दिया है। जारी नोटिस में बताया गया है कि लगातार निर्देश के बाद भी अस्पताल ने आवेदन निर्धारित पोर्टल में अपलोड नहीं किया है। इसे आदेश की अवहेलना के साथ कार्य के प्रति उदासीनता माना जा सकता है। निर्धारित अवधि के दौरान अगर अस्पताल जानकारी अपलोड नहीं करते हैं, तो पोर्टल पर उनकी ओर से किया जाने वाला लॉगिन स्वमेव निषक्रिय हो जाएगा।

राह चलते लोगों के साथ मोबाइल लूट, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कबीर नगर थाने की पुलिस ने राह चलते लोगों के मोबाइल लूट करने के आरोप में खमतराई के दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.40 लाख रुपए कीमत के 13 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस ने बदमाशों की पहचान घटना स्थल पर मिले सीसीटीवी फूटेज के आधार पर की और गिरफ्तार किया है। राह चलते लोगों से मोबाइल लूट के आरोप में पुलिस ने शहजाद अली

तथा सोनू निषाद को गिरफ्तार किया है। हीरापुर स्थित एक क्लीनिक में काम करने वाली युवती ने 20 दिन पूर्व सात नवंबर को थाने में मोबाइल लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। ▶▶|शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

थमेगा गिरावट का दौर, बरकरार रहेगी ठंड, शहर में 3 डिग्री लुढ़का तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- उत्तरी हिस्से में शीतलहर के हालात मध्य में भी ठीक ठाक ठंड

आने वाली नमी के प्रभाव से अगले तीन-चार दिनों तक रात के तापमान में कमी का दौर थमेगा। इससे वर्तमान में महसूस हो रही ठंड में बहुत अधिक कमी नहीं आएगी। पिछले दो दिन सरगुजा संभाग में शीतलहर जैसी स्थिति बनी है और शहर के न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री की कमी आई है। वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान तैयार हुआ है, मगर श्रीलंका तट पर होने की वजह से इसका ज्यादा असर प्रदेश में नहीं हुआ है।

पिछले दो दिनों से राज्य में ठंड की वापसी हुई है, खासकर उत्तरी इलाके में इसका प्रभाव अधिक हुआ है। सीमावर्ती क्षेत्रों में तापमान चार-पांच डिग्री तक जाने ▶▶|शेष पेज 11 पर

नवंबर में दो दौर की ठंड

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राज्य में नवंबर के महीने में दो दौर में ठंड ने असर दिखाया है। प्रथम सप्ताह में बदला मौसम दस दिनों तक असर दिखाता रहा। इसके बाद बीच में ब्रेक लगा और दो दिन से ठंड की वापसी हुई है। तापमान में गिरावट का दौर दिसंबर के पहले सप्ताह में होने की उम्मीद है। राज्य में ठंड का पीक दिसंबर और जनवरी महीने को माना जाता है।

2742 समितियों के पंजीयन आवेदन निरस्त, सुंदर विहार कॉलोनी दुर्ग का पंजीयन रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ ने छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-1973 (संशोधित 1998) के तहत प्रस्तुत पंजीयन आवेदनों की समीक्षा के दौरान बड़ी कार्रवाई की है। जिन समितियों को उनके आवेदन पत्रों में पाई गई आपत्तियों के सुधार के लिए ऑनलाइन सूचना भेजी गई थी, उनके द्वारा छह माह से अधिक समय बीत जाने पर भी सुधार नहीं किया गया। इसके कारण ऐसे कुल 2742 आवेदन पत्रों को निरस्त कर दिया है, साथ ही इनसे प्राप्त पंजीयन शुल्क को राजसात किया है।

वार्षिक विवरण प्रस्तुत नहीं करने पर पंजीयन निरस्त

रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ पद्मिनी भोई साहू ने बताया कि समितियों को अधिनियम की धारा 27 एवं 28 के अनुसार वार्षिक विवरण प्रस्तुत करना होता है, लेकिन यह विवरण प्रस्तुत नहीं किया। इसके कारण इन समितियों को नोटिस जारी किया था। इस नोटिस का जवाब न मिलने की स्थिति में संबंधित समितियों का पंजीयन निरस्त कर दिया है। इसी क्रम में सुंदर विहार कॉलोनी वेलफेयर सोसाइटी, जिला दुर्ग का पंजीयन भी निरस्त किया है। इसके अलावा 15 अन्य समितियों को भी वार्षिक विवरण प्रस्तुत न करने पर पंजीयन निरस्तीकरण नोटिस जारी किया है।

- त्रुटि सुधार न करने पर रजिस्ट्रार-फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ ने की कार्रवाई
- पंजीयन निरस्तीकरण के लिए 15 अन्य समितियां को नोटिस
- वार्षिक विवरणी न देने वाली समितियों पर भी कार्रवाई

मुकदमा दायर किया जाएगा

पद्मिनी भोई साहू ने बताया कि जिन अन्य 15 समितियों को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में उल्लेख किया है कि जवाब नहीं देने पर समिति के पदाधिकारियों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 37 के तहत सिविल न्यायालय में परिवाद (मुकदमा) दायर करने की कार्यवाही की जाएगी। विदित हो कि रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ ने एक दिन पूर्व रायपुर की आनंद विहार रेसिडेंट्स विकास सोसायटी का पंजीयन रद्द किया है, साथ ही गलत श्रेणी में पंजीकृत 360 रहवासी सोसाइटियों को भी नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई इसलिए की गई है कि ये सोसाइटियां उस अधिनियम में पंजीकृत हैं, जिसमें कॉलोनियों के दैनिक रख-रखाव शुल्क लेने का प्रावधान ही नहीं है, जबकि वे नियमित रूप से ऐसे कार्य कर रही हैं। रहवासी सोसाइटियों को छत्तीसगढ़ कोऑपरेटिव 1960 एक्ट के तहत पंजीयन कराना जरूरी है।

खबर संक्षेप

जिले में अब तक 8 लाख 38 हजार धान खरीदी

रायपुर। जिले में शुक्रवार को 2374 किसानों से 1 लाख 11 हजार 730.00 क्विंटल धान की खरीदी की गई। इस प्रकार जिले के 139 उपार्जद केंद्रों में अब तक 17888 किसानों से 8 लाख 38 हजार 108.00 क्विंटल की खरीदी हुई है।

प्लास्टिक से भरी गाड़ी पकड़ाई

रायपुर। राजधानी रायपुर के शंकर नगर इलाके में नगर निगम की टीम ने अवैध प्लास्टिक से भरे एक टाटा एस वाहन को पकड़ा। टीम ने वाहन को पकड़कर थाने भेज दिया, जहां आगे की जांच कार्रवाई की जा रही है। बताया गया है कि लोगों की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई।

आधारकार्ड अपडेट करने आज लगेगा शिविर

रायपुर। डीडीनगर में डाक विभाग द्वारा आधारकार्ड से संबंधित अद्यतन प्रक्रिया एवं नामांकन के लिए 29 नवंबर को शिविर लगाया जा रहा है। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 में यह शिविर लगाया जाएगा, जहां कोई भी अपने मूल दस्तावेजों के साथ आधारकार्ड अपडेट करा सकता है एवं नामांकन भी करा सकता है।

सतनाम महिला सेवा समिति की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कल

रायपुर। सतनाम महिला सेवा समिति आदर्श नगर मोवा के नव नियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को आदर्श नगर मोवा के गुरुद्वारा भवन में है। समिति के अध्यक्ष पुष्पलता जीएल ओगरे एवं मीडिया प्रभारी रामेश्वरी सुखनंदन बंजारे ने बताया कि इस समारोह के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब होंगे। इसके अलावा विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक नवीन मार्कण्डेय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, पार्षद देवदत्त द्विवेदी, गुरू घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष के पी खांडे, छग प्रगतिशील सतनामी समाज के अध्यक्ष एलएल कोसले सहित बड़ी संख्या में सतनामी समाज के लोग शामिल होंगे। समिति का निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ। जिसमें उपाध्यक्ष गूंजा सुरेन्द्र पप्पू बंदे, सचिव चंपा हेतराम जांगड़े, कोषाध्यक्ष भारती आशुतोष डहरिया, उप कोषाध्यक्ष सुनीता कामता बंजारे, सह सचिव कंचन करण कोसले पदाधिकारी बने। इनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद की बैठक आज शुक्ल भवन में

रायपुर। भूतपूर्व सांसद शहीद पं. विद्याचरण शुक्ल द्वारा स्थापित छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद की आवश्यक बैठक 29 नवंबर को शाम 4 बजे से प्रदेश कार्यालय शुक्ल भवन बूढ़ापारा में रखी गई है। बैठक में 21 जनवरी को संगठन के 25वें स्थापना वर्षगांठ पर प्रादेशिक कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी, संभागवार प्रभारियों की नियुक्ति पर चर्चा की जाएगी। महामंत्री रामअवतार देवांगन एवं प्रवक्ता नितिन कुमार झा ने बताया कि बैठक में संगठन के समस्त कार्यकारिणी सदस्य, सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे।

विश्व शांति महापूजा, मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम आज-कल

रायपुर। बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर रायपुर में विश्व शांति महापूजा और मूर्ति प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित है। रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में यह आयोजन होना है। सनातन संस्कृति का आधार मंदिरों को माना गया है, सामाजिक नैतिक शैक्षणिक और आध्यात्मिक कार्यों के लिए बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था को जाना जाता है। संस्था के मंदिरों का समाज में अमूल्य योगदान है। देवेंद्र नगर स्थित भव्य मंदिर वर्ष 2001 में ब्रह्म स्वरूप प्रमुख स्वामी महाराज के द्वारा स्थापित किया गया। 2025 में रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में मंदिर का पुनः निर्माण कर प्रकट ब्रह्म स्वरूप महंत स्वामी महाराज के हाथों प्रतिष्ठित मूर्तियों की स्थापना विधि संस्था के वरिष्ठ संत ज्ञानेश ज्ञानेश्वर स्वामी संपन्न कराएंगे। कार्यक्रम में देशभर से संत और श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। 29 नवंबर को शाम 4 बजे विश्व शांति मा पूजा कोमा, 8 बजे महाप्रसाद और 30 नवंबर को सुबह 9 बजे पुनः मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह आयोजित है।

मुख्यमंत्री साय ने शिक्षा विभाग के लक्ष्यों पर की बैठक

प्रदेश में शिक्षकों की संख्या राष्ट्रीय औसत से बेहतर, बच्चों का भविष्य स्वर्णिम बनाने की जिम्मेदारी शिक्षा विभाग पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में शिक्षकों की संख्या राष्ट्रीय औसत से बेहतर है और सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। यदि एक शिक्षक अपनी जिम्मेदारी को दृढ़ता से निभा ले, तो बच्चों के भविष्य को स्वर्णिम बनने से कोई नहीं रोक सकता। बच्चों का भविष्य स्वर्णिम बनाने की जिम्मेदारी शिक्षा विभाग पर है।

श्री साय ने यह बात स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के तहत शिक्षा विभाग के लक्ष्यों की प्राप्ति को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने वर्ष 2030 तक के लघु अवधि, 2035 तक के मध्य अवधि तथा दीर्घकालीन लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को ठोस कार्ययोजना तैयार कर त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ बढ़ रहा है लक्ष्य की ओर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विकसित भारत 2047 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, और इसी क्रम में 'अंजोर विजन' के माध्यम से विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति का सबसे सशक्त आधार शिक्षा है, क्योंकि दक्ष, कुशल और स्मार्ट बच्चे ही भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समस्त जानकारी मुख्यमंत्री के साथ साझा की। उन्होंने शिक्षकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने, प्रतिभाशाली शिक्षकों को नेतृत्व के अवसर प्रदान करने और बेहतर अकादमिक माहौल विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने आंगनबाड़ी एवं बाल वाड़ी के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अंजोर विजन 2047 के अंतर्गत 1000 मॉडल स्कूलों की स्थापना, स्कूल कॉम्प्लेक्स प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्कूलों की शुरुआत, एआई-आधारित मूल्यांकन प्रणाली, डिजिटल ऐप के माध्यम से व्यक्तिगत पाठ योजनाएं, शिक्षक प्रशिक्षण के उन्नयन तथा एसटीइम शिक्षा के विस्तार जैसे प्रमुख लक्ष्यों की समीक्षा की गई।

एआई एवं रोबोटिक्स लैब प्रारंभ करने पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने एसटीइम शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु साइंस सिटी की स्थापना, विज्ञान मेलों के आयोजन और एआई एवं रोबोटिक्स लैब प्रारंभ करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में वर्ष 2035 तक ड्रॉपआउट दर को शून्य करने, राज्य स्तरीय ECCE समिति के गठन, शिक्षकों की भर्ती, मूल्यांकन केंद्रों को सुदृढ़ करने और आगामी तीन वर्षों के लक्ष्यों को निर्धारित कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने संबंधी विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कार्यप्रणाली, परीक्षार्थियों के डेटा संकलन, प्रश्नपत्र निर्माण, परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन की समीक्षा की तथा हायर सेकेंडरी स्तर पर अतिरिक्त विषयों के विकल्प, प्रतियोगी परीक्षाओं पर आधारित प्रश्न बैंक, त्रुटिरहित मूल्यांकन व्यवस्था और गोपनीय प्रश्नपत्रों के परिवहन के लिए ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए।

मंत्री, सीएस और अफसर हुए शामिल

बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, मुख्य सचिव विकास शील, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष रेणु पिल्लै, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव शम्मी आबिदी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव रजत कुमार सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य शासन ने जारी किया आदेश

तीन दर्जन एएसपी वरिष्ठ श्रेणी में हुए पदोन्नत

- वरिष्ठ श्रेणी में पदोन्नत होने वाले अफसरों में यूबीएस चौहान, अर्चना झा तथा अन्य पुलिस अफसर शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन ने राज्य पुलिस सेवा के तीन दर्जन एएसपी रैंक के पुलिस अफसरों को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी में पदोन्नत किया है। राज्य पुलिस सेवा के अफसरों को आईपीएस अवार्ड मिलने के पूर्व यह सर्वोच्च वेतनमान है। अब इनकी पदस्थापना एसपी या उसके समकक्ष रैंक में की जा सकती है। सामान्यतः यह वेतनमान 16 वर्ष की अवधि पूर्ण कर चुके राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को मिलने की पात्रता होती है।

पद रिक्त नहीं होने की वजह से पदोन्नति में विलंब हो जाता है। इस बात का ध्यान रखते हुए शासन ने 16 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके सभी अधिकारियों को एक साथ वरिष्ठता एवं वेतन वृद्धि का लाभ दिया है। सरकार के इस फैसले से पुलिस अधिकारियों के मनोबल में वृद्धि होगी। राज्य शासन ने जिन एएसपी को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी में पदोन्नत किया है उनकी सूची इस प्रकार है- ज्योति सिंह, रजत शर्मा, राकेश शर्मा, ज्ञानेंद्र कुमार अवस्थी, मेहरूराम गंडावी, उदयभान सिंह चौहान, पंकज शुक्ला, कीर्तन कुमार राठौर, माहेश्वर नाग, पूजा अग्रवाल, तारकेश्वर पटेल, जयप्रकाश बढ़ई, अंशुमान सिंह सिसोदिया, अर्चना झा, हरीश कुमार यादव, दीपमाला सैनी कश्यप, रोहित कुमार झा, रमा पटेल, वर्षा मिश्रा, अनिल कुमार सोनी, प्रतिभा तिवारी, लखन पटले, गोपीचंद मेश्राम, उमेश कुमार कश्यप, अनंत कुमार साहू, राजेन्द्र कुमार जायसवाल, अभिषेक वर्मा, दौलत राम पोर्ते, उनेजा खातून अंसारी, प्रज्ञा मेश्राम, मोनिका ठाकुर, डॉ. संगीता महिलकर, संजय कुमार महादया, मुकेश ठाकुर, मधुलिका सिंह, अमृता सोरी ध्रुथ, मिर्जा जियारत बेग तथा जयंत वैष्णव के नाम शामिल हैं।

जमीन की गाइडलाइन दरों का बढ़ाना जन विरोधी : बैज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, जमीन की गाइडलाइन दरों में 10 से 100 प्रतिशत तक की गई बेतहाशा बढ़ोतरी सरकार का तानाशाही पूर्ण फैसला है। इस फैसले से न सिर्फ जमीन का कारोबार खत्म होगा, बल्कि गरीबों, किसानों, मध्यवर्गीय परिवार की जमीन खरीद कर मकान बनाने का सपना टूटा है। किसान खेती जमीन खरीद नहीं पाएगा, न ही जरूरत पर जमीन बेच पाएगा। भवन निर्माण कार्य बंद होगा, जिसका असर सीमेंट, स्टील, रेत, गिट्टी, सेनेटरी, हार्डवेयर, बिजली समान, फर्नीचर सेक्टर पर भी आएगा।

भवन निर्माण कार्य में लगे कुशल, अकुशल श्रमिक भी बेरोजगारी संकट से जूझेंगे। सरकार को भी राजस्व की हानि होगी। कांग्रेस इस निर्णय के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी। श्री बैज ने कहा, 30 लाख की जमीन के लिए 22 लाख की स्टांप ड्यूटी कोई सरफिरी या तुनकमिजाज सरकार ही लगा सकती है। रायपुर शहर के आसपास ऐसी भी स्थिति बन गई है कि अगर कोई 1000 फीट जमीन की खरीदी 6 लाख रुपए में करता है तो उसे 4 लाख 40 हजार रुपए रजिस्ट्री शुल्क चुकाना होगा। कुछ क्षेत्रों में रजिस्ट्री शुल्क और जमीन की कीमत एक बराबर होगी, कुछ क्षेत्रों में जमीन की कीमत से ज्यादा रजिस्ट्री शुल्क देना पड़ेगा। ऐसे में गरीब आदमी मकान कैसे बनाएगा। तिनका तिनका जोड़कर और कर्ज लेकर जमीन खरीदने वालों को जमीन के साथ रजिस्ट्री के लिए भी कर्ज लेना पड़ेगा, फिर मकान बनाने पैसों का कहां से इंतजाम करेगा।

धान खरीदी पर सरकार की नीयत में खोट : शुक्ला

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, धान खरीदी को लेकर सरकार की नीयत में खोट दिख रहा है। न समय पर किसानों को टोकन मिल रहा है और न ही पूरे रकबे के हिसाब से तौलाई हो रही है, गिरदावरी और अनावरी रिपोर्ट का हवाला देकर कम धान खरीदा जा रहा है। सरकार घोषित नीति प्रति एकड़ 21 क्विंटल के हिसाब से खरीदी नहीं कर रही। किसी भी सोसायटी में 16 से लेकर 19 क्विंटल से अधिक की खरीदी नहीं हो रही। धान बेचने के लिए किसानों को टोकन नहीं मिल पा रहा। बहुत से किसानों का आज भी धान बेचने के लिए एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन नहीं हो पाया है वे भटक रहे। श्री शुक्ला ने कहा, किसानों का पूरा धान तैयार है, लेकिन रिकॉर्ड में जमीन कम दिखाने से किसान अपना पूरा धान बेच नहीं पा रहे हैं, सरकार और प्रशासन की गलती से सीधा नुकसान किसानों को हो रहा है।

बिहार में फिर से मंत्री बनने के बाद रायपुर पहुंचने पर जोरदार स्वागत

नितिन नवीन बोले- डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस राज्य के विकास का बड़ा सबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन बिहार सरकार में एक बार फिर मंत्री बनने के बाद पहली बार रायपुर पहुंचे। यहां पहुंचने पर उनका विमानतल के साथ ही कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। वे मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी मिले। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए राजधानी रायपुर में हो रही डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस को लेकर कहा, यह आयोजन छत्तीसगढ़ के विकास का बड़ा सबूत है।

श्री नवीन ने विमानतल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा लगाव है। छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने का काम हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। हमारी पार्टी का नारा है, हमने बनाया हम ही संवारेंगे। तो छत्तीसगढ़ को संवारने का काम भाजपा कर रही है। राज्य के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर कदम पर साथ खड़े हैं। हमारे केंद्रीय मंत्री अमित शाह के संकल्प के मुताबिक छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश से नक्सलवाद का सफाया हो रहा है। अब नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त होने वाला है। श्री नवीन ने बिहार में उनकी जीत पर प्रदेश के नेताओं की मेहनत के लिए उनका आभार माना।

मुख्यमंत्री से मिले

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में नितिन नवीन ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री नवीन का आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें शॉल एवं प्रतीक चिन्ह नन्दी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक किरण देव एवं छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह उपस्थित थे।

कांग्रेस पर तीखा हमला

श्री नवीन ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा, कांग्रेस पूरी तरह से नेतृत्व विहीन हो गई है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री के खिलाफ डिप्टी सीएम का साथ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जो पार्टी नेतृत्व विहीन हो, जिसकी नीयत सही न हो, उस पार्टी में इस तरह की स्थिति जरूर होगी।

जोरदार स्वागत

श्री नवीन का रायपुर पहुंचने पर विमानतल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप, टंकराम वर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन,अखिलेश सोनी, डॉ.नवीन मारकण्डेय सहित भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी ने स्वागत किया। इसके बाद कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पहुंचने पर उनका स्वागत प्रदेश के मंत्री श्याम बिहार जायसवाल सहित कई भाजपा नेताओं ने किया। भाजपा के कई नेताओं ने ठाकरे परिसर में उनके मुलाकात की। श्री नवीन इसके बाद बिलासपुर में क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी की बेटी और भाटापारा में शिवतन शर्मा के बेटे की शादी के अवसर पर उनसे मिलने गए।

1090 अनसर्वेड ग्रामों में से 771 का फील्ड सर्वे पूरा

बस्तर में अबूझमाड़ के अधिकतर ग्रामों के सर्वे की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजस्व विभाग द्वारा प्रदेश के अनसर्वेड ग्रामों को सर्वे कराया जा रहा है। प्रदेश के हजारों गांवों का सर्वे किया जा रहा है। 1090 अनसर्वेड ग्रामों में से 771 का फील्ड सर्वे पूरा हो गया है। इन गांवों का सर्वेक्षण होने के बाद, भूमि धारकों को मालिकाना हक के वैध दस्तावेज़ मिल सकेंगे। वे इससे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

बैंक ऋण प्राप्त कर सकेंगे और अपनी संपत्ति खरीद-बेच सकेंगे। राजस्व विभाग द्वारा अनसर्वेड ग्रामों का सर्वे कार्य रुड़की विवि से कराया जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य में आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में कई जिलों बस्तर, कोरबा, रायगढ़, जशपुर में बड़ी संख्या में ऐसे गांव थे, जिनका कभी सर्वेक्षण नहीं हुआ था। कुछ गांवों में सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है और उन्हें राजस्व ग्रामों में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

371 ग्रामों के सर्वे की तैयारी

बताया गया है कि घने जंगलों के बीच 371 से अधिक गांव अब भी अनसर्वेड हैं। यहां पर सर्वे के लिए विभाग की ओर से तैयारी की गई है। नक्सल उन्मूलन में तेजी के बाद यहां के गांवों के फील्ड सर्वे का काम शुरू किया जाएगा। अबुझमाड़ क्षेत्र बस्तर के नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिलों में फैला है। ग्रामों का सर्वे होने के बाद इन सभी ग्रामों के संबंध में पूरी जानकारी आ सकेगी।

स्वामित्व योजना के तहत सर्वे

ऐसे गांव जिनका सर्वे नहीं हुआ था केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना और राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है, जिसमें पंचायत और राजस्व विभाग मिलकर काम करते हैं। यह सर्वेक्षण भूमि से संबंधित विवादों को सुलझाने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट संपत्ति स्वामित्व स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुरक्षा और अन्य कारणों से देर

राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बस्तर के नारायणपुर जिले के अधिकतर गांवों का सर्वे नहीं हुआ था। राजस्व विभाग ने और पुलिस विभाग के सहयोग से इन ग्रामों में से अधिकांश का फील्ड सर्वे पूरा हो गया है। अब यहां पर जमीनों का नक्शा तैयार कर काबिज लोगों को उनका हक दिलाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार यहां पर सर्वे का काम कई कारणों से देर से हुआ। यहां पर माओवादी दहशत के अलावा सुरक्षा न मिलना भी एक कारण था।

नाम परिवर्तन

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी रायपुर (छ.ग.)

// शपथ पत्र //

मैं श्रीमती विशाखा लाखानी पति श्री चिराग कुमार लाखानी निवासी- राधाकृष्णा मंदिर के पीछे संजय नगर टिकरापारा रायपुर छ.ग. की निवासी हूँ जो कि निम्नलिखित कथनपूर्वक शपथ करती हूँ :- 1. यह कि उपरोक्तानुसार मेरा नाम एवं पता सत्य एवं सही है। 2. यह कि मेरा विवाह दिनांक- 16/11/2025 को श्री चिराग कुमार लाखानी पिता श्री राजेश लाखानी निवासी- राधाकृष्णा मंदिर के पीछे संजय नगर टिकरापारा रायपुर छ.ग. के साथ हुआ हैं। 3. यह कि विवाह पूर्व मेरा नाम- भोजानी विशाखा महेशभाई पिता- महेशभाई था तथा यही नाम एवं पता मेरे विवाह पूर्व समस्त दस्तावेजो में दर्ज है। 4. यह कि विवाह पश्चात अब मेरा श्रीमती विशाखा लाखानी पति श्री चिराग कुमार लाखानी निवासी- राधाकृष्णा मंदिर के पीछे संजय नगर टिकरापारा रायपुर छ.ग. हो गया है जो कि सत्य एवं सही है तथा वर्तमान में मैं यही नाम से जानी पहचानी व पुकारी जाती हूँ। 5. यह कि उपरोक्त वर्णित दोनों नाम भोजानी विशाखा महेशभाई एवं विशाखा लाखानी एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही नाम है तथा मेरे समस्त दस्तावेजों जैसे पासपोर्ट, आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम श्रीमती विशाखा लाखानी पति श्री चिराग कुमार लाखानी निवासी- राधाकृष्णा मंदिर के पीछे संजय नगर टिकरापारा रायपुर छ.ग. दर्ज किया जाये जिसमे मुझे समस्त नियम एवं शर्ते मान्य है। 6. यह कि उपरोक्त कथनो की सत्यता के समर्थन में यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथकर्ती के हस्ताक्षर
विशाखा लाखानी

// सत्यापन //

मैं उपरोक्त शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूँ कि इस शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 06 तक में वर्णित समस्त कथन सत्य एवं सही है। अतः आज दिनांक को अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित करती हूँ।

स्थान :- रायपुर छ.ग.
दिनांक-
शपथकर्ती के हस्ताक्षर
विशाखा लाखानी

// उद्घोषणा //

क्रमांक 11601 /आर सी./ रा.वि.प्रा./ 2025 रायपुर दिनांक 28.11.2025

प्राधिकरण की डॉ. खूबचंद बघेल रावांभाठा ट्रांसपोर्ट नगर योजनांतर्गत श्रीमती माया लालवानी पति स्व. चन्द्रप्रकाश लालवानी द्वारा ब्लॉक 15 भूखण्ड क्रमांक SS3-135 क्षेत्रफल 97 वर्गफुट 30 वर्षीय पट्टे पर धारित है। आबंटिती के द्वारा भूखण्ड का अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 30.09.2024 को प्राप्त कर उक्त भूखण्ड का विक्रय श्री दिनेश तमेर आत्मज श्री गजाधर तमेर निवासी वार्ड नंबर 07, संतोषी नगर खमतराई-2, रायपुर तह. व जिला रायपुर छ.ग. को पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.10.2024 के अनुसार किया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड हेतु प्राधिकरण में नाम दर्ज करने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूखण्ड का नामांतरण क्रेता के नाम पर किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति/दावा हो तो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति/ दावा प्रस्तुत नही होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार दान ग्रहिता का नाम दर्ज करने की कार्यवाही संपादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति / दावा ग्राहय नही होगा ।

दिनांक ....को जारी ।

मुहर

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

एसआईआर प्रपत्र शीघ्र जमा करें : डा. संदीप

आरंग। आरंग नगर पालिका क्षेत्र के मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान का कार्य सुचारू रूप से जारी है। इस क्रम में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना फार्मों को एकत्र कर रहे हैं। यह कार्य चार दिसंबर तक चलेगा। आरंग नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन ने नगरवासियो से अपील की है कि वे आखिरी तिथि का इंतजार न करें और प्रपत्र भरकर तुरन्त जमा करें। उन्होंने बताया कि बीएलओ आवश्यक दस्तावेजों के साथ गणना फार्म की एक प्रति अपने पास रखेंगे और आवेदक को दिए जाने के लिए गणना फार्म की दूसरी प्रति पर फार्म की प्राप्ति की पावती देंगे।नगर पालिका अध्यक्ष ने लोगों से अपील किया है कि स्थानीय बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं और मतदाता सूचियों का सत्यापन अवश्य करें, ताकि उनके नाम सही रूप से दर्ज हो सकें। विभाग का लक्ष्य है कि मतदाता सूची पूरी तरह नए स्वरूप में तैयार की जा सके। आपको बता दे की नगर पालिका अध्यक्ष अपने पार्षदों के साथ नगर के विभिन्न वार्डो का भ्रमण कर लोगो को जागरूक करने के साथ शिविर स्थल पर जाकर अवलोकन भी कर रहे है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में शिक्षकों की ड्यूटी से पढ़ाई ठप, पालक हैं चिंतित

आरंग। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के लिए प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों को बड़ी संख्या में ड्यूटी पर लगाया गया है। लगातार फील्ड वर्क, घर-घर सर्वे और दस्तावेज़ सत्यापन के कारण शिक्षकों का अधिकांश समय विद्यालय से बाहर गुजर रहा है। इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है, जिससे अभिभावकों में बढ़ती चिंता साफ दिखाई दे रही है। शिक्षकों का कहना है कि प्राथमिक स्तर पर एक ही या दो शिक्षक होने की स्थिति में प्रशासनिक कार्यों में लगातार व्यस्तता के कारण नियमित कक्षाएं संचालित करना मुश्किल हो जाता है। बच्चे स्कूल तो पहुँचते हैं, लेकिन अध्यापन कार्य बाधित रहने से पढ़ाई की गति थम-सी गई है। अभिभावक भी सवाल उठा रहे हैं कि शिक्षा के आधारभूत स्तर पर लगातार गैर-शैक्षणिक कार्य देने से बच्चों का शैक्षणिक विकास प्रभावित होता है। उनका कहना है कि चुनावी और प्रशासनिक कार्यों में शिक्षकों की जिम्मेदारी समझ में आती है, परंतु प्राथमिक शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है, इसे प्रभावित किए बिना ही वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। स्कूल संचालकों का भी मानना है कि पुनरीक्षण कार्य में केवल प्राथमिक शिक्षकों को लगाया जाना उचित नहीं है।

धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार, गोढ़ी केंद्र में 9563 क्विंटल की हुई खरीदी

आरंग। धान उपार्जन केंद्र गोढ़ी में इस वर्ष उपार्जन कार्य तेज़ रफ्तार पकड़ चुका है। किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था के लिए समिति प्रबंधक बद्री प्रसाद तिवारी तथा प्राधिकृत अध्यक्ष दिलीप बैस लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जिसका परिणाम है कि मात्र 28 नवम्बर तक केंद्र में उल्लेखनीय उपार्जन दर्ज किया गया है।केंद्र प्रभारी के अनुसार अब तक कुल 9,563 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसमें 2,891 क्विंटल मोटा धान,857 क्विंटल पतला धान,तथा 5,814 क्विंटल सरना धान शामिल है। इस उपार्जन के बदले किसानों को समर्थन मूल्य पर कुल 2,26,72,372 रुपये की राशि देय हुई है। इनमें से 176 लाभान्वित किसानों को अब तक 1,33,90,464 रुपये का भुगतान कर दिया गया है, जबकि 71,43,209 रुपये का भुगतान प्रक्रिया में है और शीघ्र ही उनके खातों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उपार्जन केंद्र गोढ़ी ने ऋण पुनर्भरण में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। धान विक्रय के साथ ही किसानों से 71,38,698 रुपये की ऋण वसूली की गई है, जिसे कृषि ऋण चुकौती की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है।समिति प्रबंधक बद्री प्रसाद तिवारी ने बताया कि प्रतिदिन किसानों की भीड़ बढ़ रही है, परंतु व्यवस्थित व्यवस्था और सुचारू संचालन के कारण किसी भी किसान को परेशानी नहीं होने दी जा रही है। वहीं प्राधिकृत अध्यक्ष दिलीप बैस ने कहा कि उपार्जन केंद्र में पारदर्शिता और समय पर भुगतान उनकी प्राथमिकता है।

अपराध : पुलिस गश्त पर उठे सवाल, व्यापारियों में भारी रोष; सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

वर्मा मोबाइल शॉप में तीसरी बार सेंधमारी, लाखों के मोबाइल पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

रायपुर बिलासपुर हाइवे से लगे हुए सिलतरा इलाके में चोरों का बेखौफ आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को चोरों ने एक बार फिर पीछे दीवाल में सेंध कर वर्मा मोबाइल शॉप को निशाना बनाया और दुकान से करीब दस लाख रुपये तक के महंगे मोबाइल फोन और एक्सेसरीज चोरी कर लिए। सबसे हैरानी की बात यह है कि 17 वर्षों से संचालित इसी दुकान में यह तीसरी बार चोरी की घटना हुई है, जिसने स्थानीय व्यापारियों में गहन दहशत का माहौल बना दिया है और पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

■ सिलतरा में चोरों का आतंक थम नहीं रहा

सेंध मारकर घुसे चोर

चोरों ने इस बार चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए एक नया तरीका अपनाया। उन्होंने दुकान के पीछे की दीवार में सेंधमारी कर अंदर प्रवेश किया। दुकान के मालिक गजेंद्र वर्मा को इस चोरी की जानकारी सुबह तब मिली जब वे दुकान खोलने पहुँचे और अंदर सामान बिखरा हुआ पाया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि चोरों ने मुख्य रूप से महंगे स्मार्टफोन और अन्य मोबाइल एक्सेसरीज पर हाथ साफ किया है। चोरी गए माल की अनुमानित कीमत लाखो रुपये बताई जा रही है।

सीसीटीवी में कैद वारदात

घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने पर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सुराग मिला है। फुटेज में एक चोर की तस्वीर कैद हुई है। वीडियो में दिख रहा है कि चोर किस तरह इत्मीनान से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा है। सिलतरा पुलिस ने फुटेज को कब्जे में ले लिया है और इसके आधार पर चोर की पहचान करने और उसकी तलाश में जुट गई है।

व्यापारियों में रोष, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

वर्मा मोबाइल शॉप में बार-बार चोरी की घटनाओं से इलाके के व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। व्यापारियों का कहना है कि पुलिस की रात्रि गश्त पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण चोर बिना किसी डर के लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। स्थानीय ब्यापारी व आम जन ने पुलिस प्रशासन से इस गंभीर मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करने, चोरी के सामान की बरामदगी सुनिश्चित करने और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की तत्काल मांग की है।

अपराध दर्ज पुलिस विवेचना जारी

चौकी प्रभारी सिलतरा राजेन्द्र कंवर ने बताया कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है और गहन जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी सुरागों के आधार पर जल्द ही चोरों को पकड़ लेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ने किया मितानिनों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा नेवरा,मितानिन दिवस के उपलक्ष में तिल्दा नेवरा में संचालित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र के मेडिकल विंग द्वारा पार्षद रानी जैन के सहयोग से सेवा केंद्र के हाल में मितानिन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में तिल्दा शहरी क्षेत्र के मितानिन बहनों का सम्मान किया गया।

ब्रह्माकुमारी प्रियंका बहन, अनुराधा वर्मा, ममता सुनवानी, माहेश्वरी कश्यप,सिमरन खूबचंदानी, पार्षद रानी जैन की विशेष उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रियंका बहन,ने अध्यात्मिक सबोधन में कहा कि हम सब कुछ करते हैं .लेकिन स्वयं को मैनेज नहीं करते , जिसके कारण हम चिड़चिड़े हो जाते हैं .इसका असर फैमिली पर पड़ता है। हम बाहरी चीज आसानी से कर सकते हैं ,लेकिन जब तक स्वयं को मेंनेज नहीं करेंगे तब तक सशक्त नहीं बन सकते। प्रियंका बहन ने कहा कि अंदर की शक्ति जब तक जागृत नहीं होगी, तब तक हम किसी भी फील्ड में आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने मितानिन बहनों को मितानिन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मितानीन बहने सुबह 20 मिनट राजयोग अभ्यास करके ही घर से निकले। जैसे हम मोबाइल की बैटरी फुल चार्ज कर निकलते हैं। तो वह दिन भर आसानी से चलती है. ठीक उसी प्रकार अगर हम योग करके घर से निकलेंगे तो हम दिन भर फिट रहेंगे चार्ज रहेंगे। पार्षद रानी जैन ने कहा कि मितानिन बहनों के काम करने का कोई समय निर्धारित नहीं रहता है। वह दिन भर घर का काम करती है, उन्हें ड्यूटी पर भी आना पड़ता है और दिन हो या रात जब भी उनको किसी घर से बुलावा आता है तो वे दौड़कर उन घरों में पहुंच जाती है. जहां उन्हें बुलाया जाता है। उसके बाद उनकी पहली प्राथमिकता होती है कि वे उस महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाएं जिन्हें प्रसव पीड़ा हुई है। उन्होंने कहा कि मेरी दिली इच्छा थी कि कि मैं मितानिन बहनों का सम्मान करूं आज मेरा सपना साकार हुआ है। कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित अनुराधा वर्मा ममता सुनवानी माहेश्वरी कश्यप सिमरन खूबचंदानी ने भी संबोधित किया। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। समझ में उपस्थित सभी मितानिन बहनों का सम्मान कर बेग गिफ्ट में दी गई। बैग के साथ जरूरी सामान भी दिए गए। कार्यक्रम में ब्रह्मा कुमार आकाश धुरंध,र विष्णु वर्मा गंभीर वर्मा डॉक्टर सोनी ब्रह्माकुमारी कांति बहन नरेंद्र शर्मा सौरभ जैन सहित बड़ी संख्या में संस्था से जुड़ी महिलाएं शामिल हुई।

सिवनी सरपंच पद का दुरुपयोग, ग्रामीणों को धोखे से कराया कोरे कागज पर हस्ताक्षर

आरंग। ग्राम पंचायत सिवनी में पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम धीवर के विरुद्ध की गई कथित शिकायत को ग्रामीणों ने पूरी तरह असत्य, भ्रामक और राजनीतिक द्वेष से प्रेरित करार देते हुए इसका जोरदार खंडन किया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिलाधीश रायपुर को एक विस्तृत संयुक्त ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और षड्यंत्र रचने वालों पर ठोस कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते कुछ लोगों ने गांव के छात्र–छात्राओं, पंचों और अनजान ग्रामीणों को भ्रमित करते हुए उनके हस्ताक्षर धोखे से करा लिए। वहीं एक ही व्यक्ती के द्वारा कई बार फर्जी हस्ताक्षर किया है। ग्रामीणों के अनुसार कोटवार टीकम देवदास, भूपेन्द्र धीवर और उनके राजनीतिक साथियों ने कागजों को "विकास कार्यों की स्वीकृति" का दस्तावेज बताकर हस्ताक्षर कराए, जबकि बाद में उन्हीं कागजों को पूर्व सरपंच के खिलाफ शिकायत के रूप में विभागों में भेज दिया गया। ग्रामीणों ने इसे सुव्यवस्थित तरीके से रचा गया राजनीतिक षड्यंत्र बताते हुए कहा कि इस झूठी शिकायत का उद्देश्य केवल पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम धीवर की छवि धूमिल करना था। ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में कहा हम पूर्ण होश में यह घोषणा करते हैं कि पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम धीवर एवं उनके भाई दिलीप धीवर निर्दोष हैं। उनके खिलाफ की गई शिकायत मनगढ़ंत, आधारहीन और पूरी तरह राजनीतिक प्रेरित है। ग्रामीणों ने अपनी शिकायत की प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक रायपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायपुर, एसडीएम आरंग, सीईओ जनपद पंचायत, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित सभी प्रशासनिक अधिकारियों को भेजकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

प्राचार्य ने भाई की स्मृति में बच्चों को दिया न्योता भोज

आरंग। शुक्रवार को प्राचार्य माणिक लाल मिश्रा ने अपने दिवंगत छोटे भाई एडवोकेट स्व. घनश्याम मिश्रा की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए एक मार्मिक और प्रेरणादायक पहल की, उन्होंने पीएमश्री शासकीय वीरांगना अवंती बाई प्राथमिक विद्यालय के 83 विद्यार्थियों को 'न्योता भोज' दिया। यह कार्यक्रम सिर्फ एक भोजन समारोह नहीं, बल्कि दिवंगत भाई के प्रति स्नेह और बच्चों को शिक्षित करने के संकल्प का संगम बन गया। इस विशेष भोज में बच्चों को खीर, पूड़ी, और मीठा जैसे पारंपरिक और स्वादिष्ट व्यंजन प्रेम पूर्वक परोसे गए। प्राचार्य मिश्रा ने सभी बच्चों को संबोधित करते हुए खूब मन लगाकर पढ़ने और हमेशा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उनका भाई भी शिक्षा के महत्व को समझता था और यही सच्ची श्रद्धांजलि है।

भाषा को संवैधानिक दर्जा दिलाने के लिए सामाजिक एकता जरूरी : शर्मा

धरसींवा। छत्तीसगढ़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की माँग पर आयोजित छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के आठवें प्रान्तीय सम्मेलन-2025 में एक नया आयाम ले लिया। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने इस आंदोलन को जन-जन का बनाने का आह्वान किया।

राजभाषा स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में साहित्यकारों, सामाजिक संगठनों और भाषा प्रेमियों का अभूतपूर्व जमावड़ा देखने को मिला। मुख्य वक्ताओं में से एक विधायक अनुज शर्मा ने अपने संबोधन से सभी में ऊर्जा भर दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, छत्तीसगढ़ी सिर्फ़ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति, इतिहास और अस्मिता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस भाषा को उसका संवैधानिक दर्जा दिलाने के लिए व्यापक सामाजिक एकता की आवश्यकता है।

जीवन के हर क्षेत्र में हो भाषा का उपयोग: विधायक अनुज ने भाषा के विस्तार और प्रसार के लिए एक सरल लेकिन प्रभावी मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक दर्जे की दिशा में सबसे बड़ी पहल यही होगी कि हम छत्तीसगढ़ी भाषा का सम्मान करते हुए इसे अपने दैनिक जीवन और कार्यों में अपनाएँ। उन्होंने छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सादगी, ईमानदारी और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पण को ही इस लक्ष्य तक पहुँचने का सबसे सशक्त मार्ग बताया। /"हम जितना अपनी भाषा से जुड़े रहेंगे, उतनी ही तेजी से हमारी पहचान मजबूत होगी। छत्तीसगढ़ी से जीवन के हर क्षेत्र में—प्रगति, प्रसिद्धि, मान और सम्मान—सब प्राप्त किया जा सकता है।

इनकी भी रही उपस्थिति : इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल, पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य साहित्य अकादमी अध्यक्ष शशांक शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

एसआईआर समीक्षा पर भाजपा ने की बैठक

आरंग। आरंग विधानसभा के भाजपा मंडल समोदा में एसआईआर 2025 की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रत्येक बूथ की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। समोदा क्षेत्र में लगभग 70% कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी गई। बैठक में के.के. भारद्वाज, छोटेलाल सोनकर (अध्यक्ष, नगर पंचायत समोदा), पिलाराम निषाद (जिला मंत्री, रायपुर ग्रामीण), देवकुमार साहू (मंडल अध्यक्ष समोदा), विजय अग्रवाल (प्रवक्ता), राकेश शर्मा, चेतन साहू, अंगेश्वर देवांगन, अमर निषाद, गजेन्द्र वर्मा, सुरेंद्र वर्मा, जयकांत वर्मा, तोरण साहू, शकुन बंजारे और लक्ष्मण दिवान उपस्थित रहे।

राजभाषा दिवस पर बच्चों ने पढ़ी छत्तीसगढ़ी रचनाएं

आरंग। शुक्रवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर त्रिवेणी, अनामिका, खूशबू, वासनी ने छत्तीसगढ़ी रचना पढ़ी। साथ ही शिक्षक महेन्द्र पटेल ने छत्तीसगढ़ी में गीत सुनाया।

जो बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं शिक्षकों ने राजभाषा दिवस मनाए जाने तथा छत्तीसगढ़ी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा 28 नवंबर 2007 को छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा मिला। इसलिए इस दिन को अक्षुण्ण रखने के लिए पूरे प्रदेश में राजभाषा दिवस मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ी बहुत ही मधुर भाषा है। इसलिए छत्तीसगढ़ी बोलने में हम सहजता और अपनापन महसूस करते हैं।इनकी लिपि भी हिन्दी की तरह देवनागरी लिपि है इसलिए हमें पढ़ने समझने में भी बहुत आसान है। बच्चों के पाठ्यक्रम में भी अनेक पाठ छत्तीसगढ़ी भाषा में शामिल है। इस अवसर पर संस्था प्रधान सहित सभी शिक्षको व बच्चों की उपस्थिति रही।

महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी हुई

विधवा विवाह व अस्पृश्यता उन्मूलन में महात्मा फुले का योगदान अप्रतीम

अभनपुर। मरार पटेल समाज अभनपुर राज एवं छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन रायपुर संभाग के संयुक्त तत्वावधान में अभनपुर स्थित शाकंभरी भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों, चिंतकों और वक्ताओं ने सहभागी होकर महात्मा फुले की जीवनी, संघर्ष और उनके क्रांतिकारी विचारों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार आज भी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक एवं प्रेरणादायक हैं। विषम परिस्थितियों में रहते हुए फुले ने शिक्षा, महिला उत्थान, विधवा विवाह, अस्पृश्यता उन्मूलन तथा समाज सुधार के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया।

फुले की जीवनी पाठ्यक्रम में शामिल करें

उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। संगोष्ठी में सर्वसम्मति से महात्मा फुले की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने, चौराहों पर उनकी प्रतिमा स्थापना, तथा प्रदेश के सभी विद्यालयों में महात्मा फुले और माता सावित्री बाई फुले के छायाचित्र उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई। आभार प्रदर्शन करते हुए राज अध्यक्ष ईश्वर पटेल ने कहा कि आने वाले वर्षों में महात्मा फुले की जयंती एवं पुण्यतिथि पर बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि उनके विचार जन-जन तक पहुंच सकें। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को माता सावित्री और महात्मा फुले की छायाचित्र भेंटकर सम्मानित किया गया। संगोष्ठी में मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय कलाकार डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल, वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. मनीष श्रीवास्तव, पीपला वेलफेयर फाउंडेशन संरक्षक आनंदराम, सांसद प्रतिनिधि अनिल अग्रवाल ,सेवा.अपर संचालक राजेंद्र पटेल ,प्रदेश संयोजक ब्रम्हदेव पटेल जिलाध्यक्ष रायपुर ईश्वर पटेल, वेदव्यास धीवर, त्रिपुरारी पटेल ,फतीश साहू,वेदव्यास देवांगन ,भरत देवांगन,नारायण सोनी,महेंद्र पटेल ,धर्मेंद्र पटेल, अवध राम पटेल, मधुसूदन पटेल, कोमल पटेल, व्यास नारायण पटेल, झड़ीराम पटेल, मिलन पटेल, नोहर पटेल, संजय पटेल, तिहारु राम पटेल, रिखीराम पटेल, लक्ष्मण पटेल, पंचूराम पटेल, बंसीलाल पटेल, संतोष पटेल, कमलेश पटेल, गोपाल पटेल, दौलतराम पटेल सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे।

पेज 9 के शेष

रायपुर मंडल के स्टेशन ...

अब रेलवे इन स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही और जरूरतों के अनुसार लिफ्ट, रैंप, एस्केलेटर और ब्रेल संकेतक जैसी सुविधाएं विकसित करेगा। मंडल ने प्रस्ताव बनाकर जोन मुख्यालय भेजा गया था, जिसे अब मंजूरी मिल चुकी है। इस योजना पर लगभग 200 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे दो साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शुरुआत में बालोद, दल्लीराजहरा, भानुप्रतापपुर, कुसुमकसा, लाटादोर और गुडरदेही जैसे प्रमुख स्टेशनों को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां यात्रियों की आवाजाही अधिक होती है। रेलवे का उद्देश्य है कि आने वाले दो वर्षों में रायपुर मंडल के सभी स्टेशन सुविधाजनक और दिव्यांगों के लिए पूरी तरह अनुकूल हो जाएं।

आंबेडकर अस्पताल से बच्चा चोरी...

साथ थी। नीता के भर्ती होने के पूर्व रानी तथा पायल अस्पताल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। बच्चा चोरी करने दोनों महिलाओं ने नीता की सास के साथ मेल-जोल बढ़ाया फिर बच्चा चोरी की थी।

पुलिस सतर्कता से पकड़ी गई महिलाएं : अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड से नवजात चोरी होने की जानकारी मिलने पर पुलिस अलर्ट हो गई। मौदहापारा थाना तथा क्राइम ब्रांच पुलिस की अलग-अलग टीम इंटर स्टेट बस टर्मिनल के साथ रेलवे स्टेशन में सादी वर्दी में चोर को पकड़ने संदिग्धों की धर पकड़ में जुट गई। इस दौरान पुलिस को दो संदिग्ध महिलाओं को लोकल ट्रेन में बिलासपुर जाने की जानकारी मिली। ट्रेन रायपुर रेलवे स्टेशन से छूटी ही थी कि पुलिस ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई और रानी तथा उसकी बेटी को गिरफ्तार कर थाने लाई।

बेचने की फिराक में थे नवजात को : आरोप है कि रानी अपनी एक बेटी को प्रयागराज में पूर्व में 50 हजार रुपए में बेच चुकी है। पैसों के लालच में नीता के नवजात को चोरी कर रानी तथा उसकी बेटी पायल बिलासपुर में किसी दंपति के पास बेचने का सौदा किया था। पैसों के लालच में मां-बेटी ने बच्चा चोरी किया था।

आयुष्मान वाले अस्पतालों को ...

इस जानकारी के माध्यम से योजनाओं की निगरानी होगी और इलाज के बाद सामने आने वाले क्लेम की वास्तविकता का भी पता चल पाएगा। जो अस्पताल नियम का पालन नहीं करते, उनके क्लेम भी रिजेक्ट होंगे। नियम के मुताबिक 20 बेड वाले अस्पताल में हर वक्त एक यानी तीन शिफ्ट में तीन डाक्टर का होना जरूरी है।

राह चलते लोगों के साथ ..

युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि घटना दिनांक को वह पैदल क्लीनिक ड्यूटी पर जा रही थी। इस दौरान क्लीनिक से कॉल आने पर वह बात कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाश अपने मुंह में कपाड़ा बांधे युवती के करीब पहुंचे और झपट्टा मारकर मोबाइल लूट कर फरार हो गए। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने पुलिस को बताया है कि उन लोगों ने शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो दर्जन के करीब राह चलते लोगों के साथ मोबाइल लूट की है।

थमेगा गिरावट का दौर ...

की वजह से वहां रात में शीतलहर चल रही है। सुबह के वक्त कुछ हिस्सों में ओस जमने की स्थिति बन चुकी है। इधर शहर में महसूस होने वाली गर्मी तीन रातों से गायब हो चुकी है और तापमान तीन डिग्री लुढ़का है। शहरी इलाके में अच्छी ठंड पड़ रही है और माना जैसे बाहरी इलाकों में लोग ठंड से कांप रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बढ़ रही ठंड अब स्थिर होने की संभावना है। आने वाली हवा की दिशा में थोड़ा बदलाव होने के आसार हैं। ठंड बढ़ने का दौर भले ही थमेगा, मगर इसमें कमी आने के आसार नहीं हैं।

प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान

रायपुर	13.7	-1.8
बिलासपुर	12.6	-2.7
पेंड्रा	10.0	-2.7
अंबिकापुर	6.9	-4.0
जगदलपुर	10.6	-2.4
दुर्ग	11.0	-4.6

निधन

शत्रुहन साहू

रायपुर। कमल विहार डूण्डा निवासी शत्रुहन साहू का 28 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार डूण्डा मुक्तिधाम में किया गया। वे शांतिबाई साहू के पुत्र, गोदावरी साहू के पति व नेमीचंद, छगन, डोमन साहू के पिता थे।

डॉ. सूर्यकांत शुक्ला

रायपुर। स्टेशन रोड निवासी डॉ. सूर्यकांत शुक्ला (87) का 28 नवंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 29 नवंबर को सुबह 11 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

जीपी घोरे

रायपुर। आनंद नगर निवासी सेवानिवृत्त उपायुक्त आयकर विभाग जीपी घोरे का 28 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 30 नवंबर को सुबह 11 बजे देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे रमा घोरे के पति, अखिलेश, अभिषेक, किरण, ज्योति, आरती, भारती, तृप्ति व अंतिमा के पिता थे।

कुमारी बाई मिश्रा

रायपुर। सत्यम विहार कॉलोनी रायपुरा निवासी कुमारी बाई मिश्रा का 28 नवंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 29 नवंबर को सुबह 10 बजे निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. रामकुमार मिश्रा की पत्नी, बिरेंद्र, आनंद मिश्रा की माता एवं पुरुषोत्तम, देवेंद्र, ललित, लक्ष्मीनारायण की भाभी थीं।

सुलोचना साहू

रायपुर। बलौदाबाजार नयापारा दुर्गा चौक निवासी सुलोचना श्यामलाल साहू (65) का 28 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय श्मशानघाट में किया गया। वे नागेश्वर, भोजराम, मोना की माताजी, रतनलाल, कमलेश की भाभी एवं मीडियाकर्मी किरण साहू की बड़ी मां थीं।

ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे लेक्चर, प्राध्यापक बनाएंगे वीडियो, बायोमैट्रिक उपस्थिति अब अनिवार्य

उच्च शिक्षा विभाग की बैठक में कुलपति और प्राचार्यों को निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राध्यापक अब अपने लेक्चर के वीडियो तैयार करेंगे। इन वीडियो को ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा, ताकि छात्रों के लिए हर समय लेक्चर उपलब्ध हो सके। शुक्रवार को हुई उच्च शिक्षा विभाग की बैठक में यह निर्देश विवि सहित महाविद्यालय प्रबंधन को दिए गए हैं। इसके अलावा कैंपस को डिजिटल करने भी कई उपाय किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालयों व संभाग के एक-एक महाविद्यालयों में स्टूडियो निर्माण, सभी महाविद्यालयों में ई-क्लासरूम विकसित करने और विद्यार्थियों के लिए डिजिटल संसाधनों को सुदृढ़ बनाने पर भी विचार-विमर्श किया। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अकादमिक कैलेंडर का पालन सुनिश्चित करें और समय-सारणी के अनुसार कक्षाओं का संचालन हो। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राचार्य सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक महाविद्यालय में स्वयं अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और कक्षाओं के निरीक्षण की जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं। एनईपी-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, एनईपी कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के कार्य को निरंतर जारी रखने तथा अतिथि व्याख्याताओं को एनईपी प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया।

बनेगी प्राचार्यों की वरिष्ठता सूची

न्यायालयीन मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा गया है। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि विभागीय कार्यों में देरी किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उच्च शिक्षा सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने इंटरनेट सुविधा, ऑनलाइन शिक्षण सामग्री, तथा नवीन शैक्षणिक संसाधनों को लगातार बेहतर बनाने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालयों में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए प्राचार्यों की वरिष्ठता सूची निर्धारित समय में प्रकाशित करने के साथ-साथ डीपीसी से संबंधित सभी लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाएगा।

15 दिनों में समाप्त होगी प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि

बैठक में परीवीक्षा अवधि पूर्ण कर चुके सहायक प्राध्यपकों के परीवीक्षा समाप्ति आदेश 15 कार्य दिवस के भीतर जारी करने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि न मांग, न जांच सेवा नियुक्ति संबंधी आदेश 7 दिनों में जारी किए जाएं। पीएचडी अनुमति के लिए लंबित प्रकरणों की जांच 15 दिनों में पूर्ण कर स्वीकृति पत्र प्रदान किए जाएं। वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान एवं प्रवर श्रेणी वेतनमान जनवरी के प्रथम सप्ताह तक जारी करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त प्राध्यापकों की वरिष्ठता सूची एक सप्ताह के भीतर जारी करने का ओदश दिया। वर्ष 2024 की रिव्यू डीपीसी कर प्राध्यापकों को प्राचार्य पद पर पदोन्नति 24 दिसंबर 2025 तक प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्णय लिया गया।

सुरक्षा, ट्रैफिक की जिम्मेदारी आईपीएस अफसरों को

एयरपोर्ट से आईआईएम जाने का मार्ग छावनी में तब्दील, हर दो सौ मीटर पर सुरक्षा जवान तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार को नवा रायपुर में डीजी कांन्फ्रेंस शुरू हो गई है। सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस संभाल रही है। हर आईआईएम जाने वाले मार्ग पर हर आने-जाने वालों की निगरानी की जा रही है। संदिग्धों की गाड़ियों की जांच की जा रही है। नवा रायपुर के जितने टर्निंग हैं, उन स्थानों में गाड़ियों की रफ्तार काबू करने स्टापर लगाए गए हैं। वीआईपी मूवमेंट के 20 मिनट पूर्व मार्ग के दोनों छोर में स्टापर लगाकर गाड़ियों को रोका जा रहा है। वीआईपी के जाने के बाद लोगों की आवाजाही हो पा रही है।

आईआईएम गेट की सुरक्षा की जिम्मेदारी डीएसपी रैंक के अफसर तथा सीआरपीएफ के अफसर संभाल रहे हैं। आईआईएम मार्ग को वन-वे किया गया है। साथ ही डीजी कान्फ्रेंस कवरेज करने गए मीडिया कर्मियों के लिए वाहन पार्किंग की व्यवस्था डेढ़ से दो किलोमीटर दूर की गई है। आईआईएम गेट के पास तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने के साथ किसी भी तरह के वाहन पार्किंग पर रोक लगाई गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वीआईपी रोड से लेकर एयरपोर्ट तक राज्य पुलिस की अलग-अलग पेट्रोलिंग की टीम लगातार पेट्रोलिंग कर रही है। एयरपोर्ट के बाद हर दो सौ से पांच सौ मीटर की दूरी पर सीआरपीएफ के साथ राज्य पुलिस तथा होमगार्ड के जवानों को तैनात किया गया है। आईआईएम पहुंच मार्ग में संचालित चाय नाश्ता की दुकान सुरक्षा के दृष्टिकोण से कार्यक्रम के समय बंद कराई गई है।

आवाजाही सुगम बनाने रास्ते से मवेशी हटाने के लिए सफाई कर्मियों को तैनात किया गया है। सफाई कर्मी दो शिफ्ट में सुबह 10 से दोपहर तीन तथा दूसरे शिफ्ट में तीन से शाम सात बजे तक तैनात किए गए हैं। आईआईएम परिसर के पास काऊ कैचर गाड़ी भी खड़ी की गई है। नवा रायपुर से जुड़ने वाले सभी गांव के पास स्टापर लगाया गया है। इसके साथ ही नवा रायपुर के जितनी रिहायशी कालोनी हैं, कालोनी के बाहर भी सुरक्षा की दृष्टि से स्टापर लगाकर लोगों से पूछताछ करने के बाद जाने दिया जा रहा है।

सुरक्षा की कमान एडीजी, आईजी संभाल रहे

डीजीपी कॉन्फ्रेंस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जिम्मेदारियां एडीजी दीपांशु काबरा और आईजी अमरेश मिश्रा को सौंपी गई है। राज्य पुलिस के साथ ही केंद्रीय फोर्स, इंटेलिजेंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय (को-आर्डिनेशन) की जिम्मेदारी भी इन्हीं के पास है। सुरक्षा व्यवस्था तीन लेयर में की गई है। वीआईपी जहां ठहरे हैं, वहां कमांडेंट या एसपी रैंक के अधिकारियों को सुरक्षा प्रभारी बनाया गया है। 3 शिफ्ट में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। आईआईएम में आईजी रैंक के अधिकारी भी तैनात किए गए हैं। अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आईजी डॉ. आनंद छाबड़ा को भोजन व्यवस्था, ओपी पाल को आवास, ध्रुव गुप्ता को कंट्रोलरूम और अन्य अधिकारियों को परिवहन और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी गई है।

पत्नी, सास की हत्या आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

डीडीनगर थाना क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व घरेलू विवाद पर पत्नी तथा सास की हत्या करने के आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश दिग्विजय सिंह की कोर्ट में हुई है। पत्नी तथा सास की हत्या करने के बाद हत्यारा अपने छह साल की मासूम बेटी को अपने साथ ले गया था।

अतिरिक्त लोक अभियोजक जानकी बिल्थरे के अनुसार कोर्ट ने रमा पाण्डेय तथा उसकी बेटी मनीषा उपाध्याय की हत्या के आरोप में सौरभ उपाध्याय को कैद की सजा सुनाई है। रमा पाण्डेय का बेटा विवेक पाण्डेय ने अपने जीजा के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। विवेक ने पुलिस को बताया था कि सौरभ उसकी दीदी मनीषा के साथ आए दिन विवाद कर मारपीट करता था। इससे परेशान होकर मनीषा चंगोराभाठा, वसुंधरा नगर में मां के यहां रहने के लिए आ गई। मनीषा के मायका आकर रहने के बावजूद सौरभ घर पहुंचकर पत्नी तथा सास के साथ विवाद कर मारपीट करता था। 20 अक्टूबर 2022 को सौरभ घर पहुंचा और मनीषा तथा रमा के साथ विवाद करते हुए कूलर स्टैंड में लगा रॉड निकालकर अपनी पत्नी तथा सास के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। दोनों की हत्या करने के बाद सौरभ अपनी छह साल की बेटी को जबरन अपने साथ ले गया।

■ दो वर्ष पूर्व डीडीनगर थाना क्षेत्र की घटना

बिजनेस साइट

छग रियल एस्टेट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री साय से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जारी नई गाइडलाइन तथा 1400 मीटर के उपबंध से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को विस्तृत रूप से बताया कि नई गाइडलाइन लागू होने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर में किस प्रकार की व्यावहारिक चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं। मुख्यमंत्री ने रियल एस्टेट सेक्टर की चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सरकार सभी बिंदुओं पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी और आवश्यक समाधान के लिए उचित कदम उठाएगी। प्रतिनिधिमंडल में महेंद्र आहूजा, दीपक रहेजा, संतोष बानिक, डॉ. अशोक खेमका, तेजप्रकाश अग्रवाल, हेमंत सेलवानी, संजय निहलानी, विनोद धामेचा, गुरबख्श छाबड़ा, रजत छाबड़ा, प्रतीक अग्रवाल, विजय गजवानी, योगेश चैनानी और रत्नेश अग्रवाल शामिल थे।

मैट्स विश्वविद्यालय के छात्रों का सारडा ऊर्जा संयंत्र में औद्योगिक भ्रमण

रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय ने अपने बीकॉम और बीबीए छात्रों के लिए सिलतरा स्थित सारडा ऊर्जा संयंत्र का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को ऊर्जा उत्पादन, मशीनरी संचालन और औद्योगिक प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान छात्रों ने संयंत्र की आधुनिक तकनीकों को नजदीक से देखा और इंजीनियरों व प्रबंधकों से ऊर्जा उत्पादन की विभिन्न प्रणालियों के बारे में विस्तार से जाना। इस अनुभव ने छात्रों को कक्षा में सीखे सिद्धांतों को वास्तविक उद्योग में लागू होते देखने का अवसर दिया। साथ ही उन्हें सुरक्षा प्रोटोकॉल, संसाधन प्रबंधन और स्थायी ऊर्जा प्रथाओं के महत्व से भी अवगत कराया गया। बिजनेस एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश गुप्ता ने बताया कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण छात्रों की व्यावहारिक समझ को मजबूत करते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन कुलाधिपति गजराज पगारिया, कुलपति प्रो. केपी यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया और रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा ने इस पहल की सराहना की।

शुभ मार्केटिंग में दमदार परफॉर्मेंस वाली ई-रिक्शा और ई-लोडर उपलब्ध

रायपुर। बिग बुल के अधिकृत डीलर शुभ मार्केटिंग भनपुरी में ई-रिक्शा और ई-लोडर उपलब्ध हैं। यहां उपलब्ध बिग बुल ई-लोडर 1.5 टन की क्षमता वाला है और इसकी माइलेज कम से कम 100 किलोमीटर है। इसके साथ बैटरी पर 3 साल की वारंटी भी दी जाती है। कंपनी के सभी प्रोडक्ट हाई क्वालिटी और हाई परफॉर्मेंस वाले हैं, और इन्हें चलाने वाले ग्राहक पूरी तरह संतुष्ट हैं। रायपुर में शुभ मार्केटिंग बिग बुल ई-लोडर, ई-रिक्शा और लीथियम बैटरी का अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर भी है। ग्राहकों को यहां फाइनेंस और सरकारी सब्सिडी की सुविधा भी मिलती है। कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राहकों को बेहतरीन सर्विस प्रदान करना है। यदि आप टिकाऊ, भरोसेमंद और पर्यावरण के अनुकूल वाहनों की तलाश में हैं तो बिग बुल ई-लोडर और ई-रिक्शा आपके लिए सही विकल्प हैं।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में मेगा रिटेल ऋण आउटरीच कार्यक्रम

रायपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने पूरे भारत में मेगा रिटेल ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। रायपुर में कचहरी चौक स्थित टाउन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में बिल्डर्स, कार डीलर्स, कंपनियों, शासकीय संस्थाओं और ग्राहकों को बैंक की रिटेल ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को होम लोन, वाहन ऋण, गोल्ड लोन और एजूकेशन लोन जैसी सुविधाओं के सरल, सुलभ और कम ब्याज दर पर उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में रायपुर की महापौर मीनल चौबे, कैलाश खेमानी और बैंक के महाप्रबंधक पी. अनूप कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का आयोजन अंचल प्रमुख बीआर रामकृष्णा नायक और क्षेत्रीय प्रमुख राजकिशोर केरकेट्टा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान 500 हितग्राहकों को कुल 100 करोड़ रुपए के रिटेल ऋण की स्वीकृति दी गई। कार्यक्रम का समापन उप अंचल प्रमुख राजेश कुमार सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

स्वास्तिक यामाहा में नई यामाहा एक्सएसआर 155 का भव्य लॉन्च

रायपुर। स्वास्तिक यामाहा मौदहापारा में नई यामाहा एक्सएसआर 155 की भव्य लॉन्चिंग की गई। मुख्य अतिथि आरटीओ रायपुर आशीष देवांगन और राडा के उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यामाहा के सेल्स मैनेजर प्रशांत सिंह, जयेश पिथालिया, यश कानिया, विकास मथानी और रजत छाबड़ा भी शामिल थे। इस अवसर पर स्वास्तिक यामाहा के संचालक विवेक गर्ग ने कहा कि एक्सएसआर 155 स्टाइल और परफॉर्मेंस का बेहतरीन संगम है। इसका रेट्रो-स्पोर्ट डिजाइन यामाहा आरएक्स 100 की याद दिलाता है, जबकि आधुनिक तकनीक इसे रोजमर्रा की जरूरतों और रोमांच दोनों के लिए उपयुक्त बनाती है। आरटीओ श्री देवांगन ने हेलमेट पहनने और एचएसआरपी के साथ वाहन लेने की अपील की। नई एक्सएसआर 155 में 155 सीसी लिक्विड कूल्ड इंजन, 6-स्पीड गियरबॉक्स, डुअल-चैनल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल और डेल्टाबॉक्स फ्रेम जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। यह लॉन्च यामाहा की भारत में प्रीमियम मोटरसाइकिल मार्केट में स्थिति को और मजबूत करता है।

शहर में डिवाइडर-विद्युत पोल से लेकर संकेतक बोर्ड अवैध बैनर-पोस्टर से पटा

सख्त कार्रवाई नहीं इसलिए अभियान भी फ्लाप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी वासियों के लिए अवैध रूप से लगे बैनर-पोस्टर अब परेशानी का सबब बन चुके हैं। अभी तक लोग डिवाइडर, विद्युत पोल, पेड़, ओवरब्रिज-अंडरब्रिज सहित शासकीय संपत्तियों की दीवारों पर ही बैनर-पोस्टर लगा रहे थे, लेकिन अब मुख्य सड़कों पर लगे विभिन्न संकेतक बोर्ड को भी नहीं छोड़ा जा रहा है। ये संकेतक बोर्ड मुख्य सड़कों पर लगे हुए हैं, जो सड़कों से गुजरने वाले वाहन चालकों को न सिर्फ खतरे से बचाते हैं, बल्कि भारी वाहन के प्रतिबंध मार्ग तथा कौन-कौन सी कालोनियों में प्रवेश किया जा सकता है, इसकी जानकारी भी देते हैं। इस तरह के संकेतक बोर्ड लोगों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए लगाए गए हैं, लेकिन बिजनेसमैन अब इन बोर्ड का इस्तेमाल भी अपने व्यवसाय से संबंधित प्रचार-प्रसार के लिए कर रहे हैं। बोर्ड पर कहीं पाम्पलेट चस्पा है, तो कहीं संकेतक बोर्ड के सामने अवैध कब्जा हो गया है, जिससे मार्ग पर आवागमन करने वालों को बोर्ड तक नजर नहीं आता। इधर महापौर मीनल चौबे ने कहा कि शहर में जल्द ही अवैध बैनर-पोस्टरों को हटाने के लिए नई पॉलिसी लाई जाएगी। वहीं नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि टीम प्रहरी के माध्यम से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए नई पॉलिसी की आवश्यकता नहीं है।

हरिभूमि ने शुक्रवार को जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड, कचहरी चौक, सिविल लाइन, कटोरा तालाब, लाखेनगर, पंडरी, राजेंद्रनगर ओवरब्रिज से लेकर महादेव घाट के दोनों तरफ सर्विस रोड, पचपेड़ी नाका से सिद्धार्थ चौक, बूढ़ापारा, शंकरनगर, तात्यापारा सहित शहर के अन्य कई इलाकों के कई मुख्य मार्गों की पड़ताल की। इन मार्गों पर जगह-जगह डिवाइडर, विद्युत पोल बिजनेस, राजनैतिक दलों के नेताओं, धार्मिक संगठन सहित विभिन्न संस्थाओं के बैनर-पोस्टर से पटे मिले, वहीं कई जगह संकेतक बोर्ड भी अवैध पोस्टरों से ढके हुए थे। इसके अलावा कई शासकीय संपत्तियों में विद्युत ट्रांसफार्मर, ओवरब्रिज, अंडरब्रिज की दीवारों पर भी अवैध रूप से भरमार बैनर-पोस्टर लगे मिले।

नई पॉलिसी बना रहे

शहर से अवैध बैनर-पोस्टर को हटाने के लिए नई पॉलिसी तैयार की जा रही है। इसकी शुरुआत कुछ चुनिंदा जोन क्षेत्र से करेंगे। सख्ती से यहां कार्रवाई की जाएगी, ताकि कोई भी दोबारा यहां बिना नगर निगम की अनुमति के बैनर-पोस्टर लगा नहीं पाए।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

लगातार कार्रवाई कर रहे

अवैध बैनर-पोस्टर हटाने की कार्रवाई लगातार टीम प्रहरी कर रही है। इसके लिए अलग से कोई पॉलिसी लाने की आवश्यकता नहीं है।

- विश्वदीप, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

केस-1

पचपेड़ी नाका से कमल विहार रोड पर भी जगह-जगह डिवाइडर विद्युत पोल पर बैनर-पोस्टर लगे हुए हैं। पचपेड़ीनाका, भाठागांव अंडरब्रिज की दीवारों पर भी पोस्टर भारी मात्रा में पोस्टर चस्पा किए गए हैं। इसके कारण दीवारों की सुंदरता खराब हो गई है।

केस-2

सिविल लाइन क्षेत्र के डिवाइडर, विद्युत पोल बैनर-पोस्टर से पटे हुए हैं। इस क्षेत्र के सभी मुख्य मार्गों पर जगह-जगह अवैध बैनर-पोस्टर लगे हुए हैं।

केस-3

राजेंद्रनगर के पास बनाया गया अंडरब्रिज के कॉर्नर में काली मंदिर की तरफ सर्विस रोड पर भारी वाहन के अंडरब्रिज प्रवेश पर प्रतिबंध का संकेतक बोर्ड लगा है। इस बोर्ड में फटा हुआ पोस्टर चस्पा मिला। इस अंडरब्रिज के अंदर छत्तीसगढ़ी फिल्म, व्यवसाय से संबंधित थोक में अवैध पोस्टर के साथ बैनर भी लगे हुए हैं। इन पोस्टरों से दीवारों पर बनाई गई आकर्षक एवं सुंदर पेंटिंग कलाकृतियां भी ढक चुकी हैं।

पेज 9 के शेष

रायपुर मंडल के स्टेशन...

अब रेलवे इन स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही और जरूरतों के अनुसार लिफ्ट, रैंप, एस्केलेटर और ब्रेल संकेतक जैसी सुविधाएं विकसित करेगा। मंडल ने प्रस्ताव बनाकर जोन मुख्यालय भेजा गया था, जिसे अब मंजूरी मिल चुकी है। इस योजना पर लगभग 200 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे दो साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शुरुआत में बालोद, दल्लीराजहरा, भानुप्रतापपुर, कुसुमकसा, लाटादोर और गुडरदेही जैसे प्रमुख स्टेशनों को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां यात्रियों की आवाजाही अधिक होती है। रेलवे का उद्देश्य है कि आने वाले दो वर्षों में रायपुर मंडल के सभी स्टेशन सुविधाजनक और दिव्यांगों के लिए पूरी तरह अनुकूल हो जाएं।

आंबेडकर अस्पताल ...

साथ थी। नीता के भर्ती होने के पूर्व रानी तथा पायल अस्पताल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। बच्चा चोरी करने दोनों महिलाओं ने नीता की सास के साथ मेल-जोल बढ़ाया फिर बच्चा चोरी की थी।

पुलिस सतर्कता से पकड़ी गई महिलाएं: अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड से नवजात चोरी होने की जानकारी मिलने पर पुलिस अलर्ट हो गई। मौदहापारा थाना तथा क्राइम ब्रांच पुलिस की अलग-अलग टीम इंटर स्टेट बस टर्मिनल के साथ रेलवे स्टेशन में सादी वर्दी में चोर को पकड़ने संदिग्धों की धर पकड़ में जुट गई। इस दौरान पुलिस को दो संदिग्ध महिलाओं को लोकल ट्रेन में बिलासपुर जाने की जानकारी मिली। ट्रेन रायपुर रेलवे स्टेशन से छूटी ही थी कि पुलिस ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई और रानी तथा उसकी बेटी को गिरफ्तार कर थाने लाई। बेचने की फिराक में थे नवजात को: आरोप है कि रानी अपनी एक बेटी को प्रयागराज में पूर्व में 50 हजार रुपए में बेच चुकी है। पैसों के लालच में नीता के नवजात को चोरी कर रानी तथा उसकी बेटी पायल बिलासपुर में किसी दंपति के पास बेचने का सौदा किया था। पैसों के लालच में मां-बेटी ने बच्चा चोरी किया था।

आयुष्मान वाले अस्पतालों ...

इस जानकारी के माध्यम से योजनाओं की निगरानी होगी और इलाज के बाद सामने आने वाले क्लेम की वास्तविकता का भी पता चल पाएगा। जो अस्पताल नियम का पालन नहीं करते, उनके क्लेम भी रिजेक्ट होंगे। नियम के मुताबिक 20 बेड वाले अस्पताल में हर वक्त एक यानी तीन शिफ्ट में तीन डाक्टर का होना जरूरी है।

राह चलते लोगों के साथ ...

युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि घटना दिनांक को वह पैदल क्लीनिक ड्यूटी पर जा रही थी। इस दौरान क्लीनिक से कॉल आने पर वह बात कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाश अपने मुंह में कपाड़ा बांधे युवती के करीब पहुंचे और झपट्टा मारकर मोबाइल लूट कर फरार हो गए। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने पुलिस को बताया है कि उन लोगों ने शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो दर्जन के करीब राह चलते लोगों के साथ मोबाइल लूट की है।

थमेगा गिरावट का दौर ...

की वजह से वहां रात में शीतलहर चल रही है। सुबह के वक्त कुछ हिस्सों में ओस जमने की स्थिति बन चुकी है। इधर शहर में महसूस होने वाली गर्मी तीन रातों से गायब हो चुकी है और तापमान तीन डिग्री लुढ़का है। शहरी इलाके में अच्छी ठंड पड़ रही है और माना जैसे बाहरी इलाकों में लोग ठंड से कांप रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बढ़ रही ठंड अब स्थिर होने की संभावना है। आने वाली हवा की दिशा में थोड़ा बदलाव होने के आसार हैं। ठंड बढ़ने का दौर भले ही थमेगा, मगर इसमें कमी आने के आसार नहीं हैं।

प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान

रायपुर	13.7	-1.8
बिलासपुर	12.6	-2.7
पेंड्रा	10.0	-2.7
अंबिकापुर	6.9	-4.0
जगदलपुर	10.6	-2.4
दुर्ग	11.0	-4.6

खबर संक्षेप

मेकाहारा में समीक्षा अभियान, कर्मचारियों का किया सम्मान

रायपुर। राज्य के सबसे बड़े हास्पिटल डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल में कार्यों की समीक्षा चल रही है। उप नर्सिंग अधीक्षक, सहायक अधीक्षक सभी सामूहिक रूप से अभियान चला रहे हैं। सभी मैट्रन का धोबी समाज के अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, अस्पताल हमारा है और हम सबकी जिम्मेदारी है, टीम भावना से काम करें। अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर का सपना है, हमारा अस्पताल छत्तीसगढ़ के सुपरहिट अस्पताल के रूप में नाम कमाए। उन्होंने आवश्यक सामग्री का उपयोग करके अस्पताल की सफाई बरकरार रखने की अपील सभी कर्मचारियों से की। इस अवसर पर उप नर्सिंग अधीक्षक डी. अश्लेष, दुर्गा रानी ठाकुर, रश्मि मसीह, लॉन्ड्री प्रभारी लिली कुट्टी, अभिलाषा गुजराती, सहायक नर्सिंग अधीक्षक मंजू बघेल, दिव्या तिग्गा, रेखा जैकब, लॉन्ड्री प्रभारी लव कुमार साहू, दिनेश सोनकर, जाहिद अली, सत्यम श्रीवास्तव, श्रेयस आदि अनेक अस्पताल कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस्तर के दुर्गम इलाकों तक पहुंची स्वास्थ्य सेवा

रायपुर। बस्तर संभाग के घोर माओवाद प्रभावित नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर जिले के अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से हाल ही में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों ने सुरक्षा चुनौतियों और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों को पार करते हुए सेवा और विशेषज्ञता की नई मिसाल कायम की है। स्वास्थ्य विभाग की इस महत्वपूर्ण पहल में रायपुर मेडिकल कॉलेज सहित डिमरापाल और कांकेर में संचालित मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ ही मेडिकल छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जेएन मेडिकल कालेज में मनाया गया संविधान दिवस

रायपुर। संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पोस्टर प्रतियोगिता, स्पीच, कविता स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूजी, पीजी के विद्यार्थी तथा जूनियर डाक्टर एसोसिएशन के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों, फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों ने भी संविधान की महत्ता, सामाजिक न्याय की आवश्यकता और बाबा साहब के योगदान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

बिजली के मीटर की जांच कराने पर 500 और 1000 रुपए शुल्क लगेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश में बिजली के उपभोक्ताओं के पुराने मीटर बदलकर नए स्मार्ट मीटर लगाने का काम हो रहा है। इन मीटरों को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं कि ये मीटर पुराने मीटरों से ज्यादा तेज चल रहे हैं।

बहुत से उपभोक्ता चाहते हैं कि वे अपने मीटरों की जांच कराएं, लेकिन यह जांच आसान नहीं है, क्योंकि कोई भी उपभोक्ता अगर अपने मीटर की जांच कराना चाहता है, तो उसे सिंगल फेज मीटर के लिए पांच सौ रुपए और थ्री फेज मीटर की जांच के लिए हजार रुपए के शुल्क का करंट लगेगा। अगर कोई उपभोक्ता पुराने मीटर की भी जांच कराना चाहेगा, तो उसके लिए भी इतने ही पैसे लगेंगे। प्रदेश के 60 लाख बिजली उपभोक्ताओं के मीटरों को बदलने का काम चल रहा है। अब सभी उपभोक्ताओं के मीटर स्मार्ट हो जाएंगे। अब तक प्रदेश में करीब 30 लाख उपभोक्ताओं के मीटरों को बदल भी दिया गया है।

प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने का काम टाटा और जीनस कंपनी को मिला है। कंपनी मीटर बदलने में लगातार जुटी है। सरकारी विभागों के साथ आम उपभोक्ताओं और सभी व्यापारिक संस्थानों के भी मीटर बदले जा रहे हैं।

प्रदेशभर में लग रहे हैं स्मार्ट मीटर, उपभोक्ताओं को मीटर सही न होने की आशंका

मुफ्त में नहीं होती जांच

प्रदेश में जब से स्मार्ट मीटर लगाने का काम प्रारंभ हुआ है, तभी से लगातार इनको लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं कि ये मीटर ज्यादा तेज चलते हैं। एक तरफ जहां उपभोक्ता स्मार्ट मीटरों को लेकर सोशल मीडिया पर शिकायत कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस के नेता लगातार आरोप लगा रहे हैं कि ऐसे स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं जिसके उपभोक्ताओं का बिल ज्यादा आ रहा है। कई उपभोक्ता जिनको लग रहा है कि उनका बिल पहले से ज्यादा आ रहा है वो अपने मीटरों की जांच भी कराना चाहते हैं, लेकिन यह जांच मुफ्त न होने के कारण काफी कम संख्या में उपभोक्ता अपने मीटरों की जांच कराने की पहल कर रहे हैं। गिनती के ही उपभोक्ताओं ने अपने मीटरों की जांच के लिए आवेदन किए हैं। जांच के आवेदन के साथ ही सिंगल फेज मीटर के लिए पांच सौ रुपए और थ्री पेज मीटरों के लिए हजार रुपए का शुल्क देना पड़ता है। मीटर में खराबी निकलने पर जितने समय से मीटर लगा है, उसको देखते हुए उतने माह के बिल में ज्यादा खपत का संशोधन करने का प्रावधान है। ऐसे में बिजली बिल में संशोधन किया जाता है।

म्यूल अकाउंट से देश के अलग-अलग राज्यों के साथ विदेश से पैसे निकाले गए

चार हजार से ज्यादा म्यूल अकाउंट के जरिए 60 करोड़ से अधिक की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ठगी की रकम आहरण करने जालसाजों के लिए म्यूल अकाउंट एक बड़ा माध्यम है। म्यूल अकाउंट हासिल करने जालसाज किराया देने के साथ अकाउंट खरीदी करते हैं। इसके लिए जालसाज बिचौलियों को मोटी रकम देकर म्यूल अकाउंट हासिल करते हैं। उन्हीं म्यूल अकाउंट के माध्यम से ऑनलाइन जालसाजी करने वाले ठगी की रकम एक अकाउंट से दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर करने का काम करते हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक जालसाज राज्य के अलग-अलग शहरों में खोले गए चार हजार से ज्यादा म्यूल अकाउंट में 60 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की रकम ट्रांजेक्शन कर चुके हैं।

लेन-देन सहित सभी तरह के सिस्टम ऑनलाइन होने की वजह से ऑनलाइन ठगी की घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा हो गई हैं। बैंक में फर्जी तरीके से रकम ट्रांजेक्शन करने पुलिस से बचने जालसाज अपने अकाउंट की जगह म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं। जालसाज अपनी इस जरूरत को पूरा करने बिचौलियों की मदद से म्यूल अकाउंट की व्यवस्था करते हैं। उसी म्यूल अकाउंट की मदद से जालसाज ठगी की घटना को अंजाम देते हैं।

बैंक कर्मियों की मिलीभगत से खुलता है म्यूल अकाउंट

सामान्य अकाउंट खुलवाने वालों को बैंक में वेरिफिकेशन के नाम पर कई तरह की परेशानियों से जूझना पड़ता है। बिचौलिए बैंक कर्मियों के साथ साठ-गांठ कर दस्तावेजों में हेर फेर कर आसानी से म्यूल अकाउंट खुलवा लेते हैं। म्यूल अकाउंट खोलने में मदद करने वाले बैंक कर्मियों की गिरफ्तारी के बाद निजी के साथ सरकारी बैंकों में म्यूल अकाउंट खुलना बंद हुआ है।

ठगी की रकम एक अकाउंट से दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर करने का काम करते हैं

ऑनलाइन ठगी की घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा हो गई

इन देशों के साथ राज्यों में इस्तेमाल

राज्य के अलग-अलग शहरों में खोले गए म्यूल अकाउंट का सबसे ज्यादा इस्तेमाल पश्चिम बंगाल, झारखंड, हरियाणा, राजस्थान सहित देश के कई और राज्यों में किया गया है। विदेशों में बांग्लादेश, मलेशिया, सिंगापुर, नेपाल जैसे देशों में किया गया है। राज्य के रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, कोरबा सहित कई शहरों में बड़े पैमाने पर म्यूल अकाउंट खोले जाने की घटना सामने आई है।

म्यूल अकाउंट खोलने ऐसे झांसे में लेते हैं

जालसाजों को किराए पर या बिक्री के लिए म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले बिचौलिए महिलाओं को या आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बैंक से लोन फाइनेंस कराने या अन्य प्रकार का झांसा देकर उनके नाम पर अकाउंट खुलवाते हैं। अकाउंट खुलवाते समय जालसाज संबंधित का मोबाइल नंबर देने के बजाय अपना मोबाइल नंबर देते हैं। इसके बाद अकाउंट, चेक, पासबुक सहित एटीएम बिचौलिए अपने कब्जे में लेकर जालसाजों को बेच या किराए पर दे देते हैं।

औसतन डेढ़ लाख की ठगी

पुलिस ने अब तक जितने भी जालसाजों के गिरफ्तार किया है, उनके कब्जे से जब्त म्यूल अकाउंट में औसतन डेढ़ लाख रुपए ठगी की रकम का ट्रांजेक्शन किया गया है। इस लिहाज से जब्त के साथ सीज कराए गए चार हजार से ज्यादा म्यूल अकाउंट में 60 करोड़ रुपए से ज्यादा ठगी की रकम ट्रांजेक्शन होने का प्रमाण पुलिस को मिले हैं।

जिला अस्पताल की डायलिसिस मशीन दे रही मरीजों को राहत

निशुल्क हो रहा इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

किडनी मरीजों को जिला अस्पताल में संचालित मशीनों के माध्यम से निशुल्क डायलिसिस का लाभ मिल रहा है। केवल राशन कार्ड के भरोसे मिलने वाली इस सुविधा से लोगों पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। बड़े शासकीय अस्पतालों में यह सुविधा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मिल रही है। डायलिसिस सेवा का संचालन रायपुर, बलौदाबाजार सहित अनेक जिलों में किया जा रहा है।

शासन द्वारा संचालित योजना के तहत जिला अस्पताल में लगाए जाने वाले डायलिसिस मशीन की वजह से मरीजों को निजी अस्पतालों में खर्च अथवा बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है। रायपुर, बलौदाबाजार के साथ यह सुविधा लगभग सभी जिला अस्पताल में मरीजों को मिल रही है। बलौदाबाजार में स्थापित डायलीसिस यूनिट से अब तक 169 मरीज लाभान्वित हुए हैं। वहां डायलिसिस की सुविधा 15 अगस्त 2022 से प्रारंभ की गई है। डायलिलिस यूनिट में कुल 6 डायलिसिस मशीन उपलब्ध है। प्रारंभ से अभी तक लगभग 10305 डायलिसिस सेशन हो चुके है। प्रतिमाह लगभग 300 बार डायलिसिस किया जा रहा है। वर्तमान में 27 एक्टिव मरीज हैं। इसी तरह रायपुर जिला अस्पताल में भी दो सौ से ज्यादा सेशन पूरे हो चुके हैं और रोजाना तीन सेशन में मरीजों को इसका लाभ दिया जा रहा है।

रायपुर के जिला अस्पताल पंडरी में10 डायलिसिस मशीनें हैं, जिनमें से 8 सामान्य मरीजों के लिए और 2 एचआईवी/हेपेटाइटिस वाले मरीजों के लिए आरक्षित हैं।

केवल राशन कार्ड की मदद से करवा रहे डायलिसिस

भारत और दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच की तैयारियों की समीक्षा

■ कलेक्टर गौरव सिंह ने आयोजन एजेंसी छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में 3 दिसंबर को होने वाले भारत–दक्षिण अफ्रीका एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की तैयारियों को लेकर कलेक्टर गौरव सिंह ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक ली। इस बैठक में आयोजन एजेंसी छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ तथा पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में उन्होंने आयोजन से जुड़ी सभी प्रमुख व्यवस्था जैसे यातायात, सुरक्षा, खिलाड़ियों के आवागमन, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं तथा दर्शकों की सुविधा की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से हरि ने तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय करते हुए यातायात प्रबंधन की विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि मैच के दिन किसी प्रकार की असुविधा न हो।

खिलाड़ियों के आवास, परिवहन, पेयजल व्यवस्था, एम्बुलेंस, प्रकाश एवं सुरक्षा जैसी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कलेक्टर सिंह ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मैच रायपुर जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने सभी विभागों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करते हुए उच्च स्तरीय व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एजेंसी को लंबित निर्णयों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्रता से पूर्ण कर अवगत कराने को भी कहा। प्रशासन ने आयोजन के सुचारु संचालन के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन भी किया है।

ऑनलाइन लॉटरी से हुई 6 नई रेत खदानों की नीलामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में 6 नवीन खदानों की नीलामी पूरी हो गई। जिला पंचायत रायपुर के सभा कक्ष में इन खदानों की नीलामी की प्रक्रिया गुरुवार को शुरू की गई थी, जो देर रात 1 बजे तक चलने के बाद भी पूरी नहीं हो पाई थी। इस दिन 4 खदानों की ही नीलामी हो पाई, वहीं बची दो खदानों की नीलामी शुक्रवार को की गई। इस तरह नीलामी की कार्यवाही दो दिन में पूरी हो पाई। इधर इस नीलामी में सभी खदानों के लिए आए आवेदनों में ज्यादातर एक समान बोली लगाई गई थी, जिसके कारण ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से इसकी नीलामी हुई। इस बार की नीलामी में पुराने सिंडीकेट में किसी को ठेका नहीं मिला है।

खनिज विभाग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सभी 6 नई रेत खदानों के लिए अलग-अलग संख्या में आवेदन किए गए थे। इनमें सबसे ज्यादा गोबरानवापारा क्षेत्र के ग्राम टीला-बी खदान के लिए कुल 705 आवेदन किए गए थे। इनमें 26 रिजेक्ट किए, वहीं 2 लॉटरी में अपात्र पाए गए। इस तरह कुल 677 आवेदकों के नाम लॉटरी में शामिल किया। इसी प्रकार चांपाझार ए और बी रेत खदान के लिए आवेदन किए गए थे। चांपाझार-ए खदान के लिए कुल 534 आवेदन किए गए थे, जिनमें से 22 आवेदन रिजेक्ट किए गए। शेष 512 आवेदन में एक समान बोली लगाई गई। चांपाझार-ए खदान के लिए 473 आवेदन किए गए थे। इनमें से 23 रिजेक्ट किए गए। राटाकाट-बी खदान के लिए कुल 88 आवेदनों में 2 रिजेक्ट, कुरूद-सी खदान के लिए 219 आवेदनों में 12 रिजेक्ट, ग्राम हरदीडीह-बी खदान के लिए कुल 184 आवेदनों में 6 रिजेक्ट किए गए। शेष आवेदनों में एक समान बोली लगने के कारण इन सभी खदानों के लिए भी ऑनलाइन लॉटरी निकाली गई।

संस्था-कंपनी को एक-एक और चार व्यक्तियों को मिला खदान में उत्खनन का ठेका

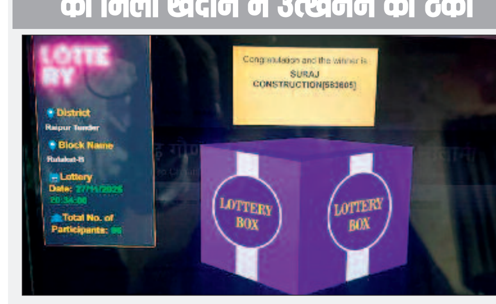

उत्खनन शुरू करने से पहले लेनी होगी राज्य पर्यावरण विभाग से एनओसी : नई रेत खदानों की नीलामी के बाद भी अब सभी ठेकेदारों को राज्य पर्यावरण विभाग से एनओसी लेना होगा। इसकी प्रक्रिया में भी कई महीने लग सकते हैं। नियम के तहत जब तक पर्यावरण विभाग से एनओसी नहीं मिल जाती, तब तक नई खदानों में रेत का उत्खनन नहीं किया जा सकता है।

लॉटरी में चार व्यक्तियों एवं दो कंपनी का निकला नाम

ऑनलाइन लॉटरी में चार व्यक्तियों तथा दो कंपनियों का नाम निकला है। इनमें ग्राम टीला खदान के लिए राहुल गोयल, चांपाझार-ए के लिए जगदीप सिंह सिद्धू, चांपाझार-बी के लिए सत्यम गुप्ता एवं कुरूद-सी खदान के लिए मोहिल सेठी का नाम निकला है। इसी प्रकार दो कंपनी में सूरज कंस्ट्रक्शन एवं कामधेनु फाइनेंशियल एडवाइजरी एलएलपी का नाम निकला है।

बगैर एनओसी के उत्खनन करने पर अनुबंध खत्म करने का प्रावधान

पर्यावरण विभाग से एनओसी लिए बगैर खदान में संबंधित ठेकेदार उत्खनन करता है तो इस मामले में सख्त कार्रवाई से लेकर अनुबंध खत्म करने का प्रावधान है, लेकिन जिले में इससे पूर्व हुई 13 रेत खदानों में से मात्र 8 खदानों को ही पर्यावरण विभाग से एनओसी मिली थी। इसके बाद भी सभी खदानों में बेधड़क रूप से उत्खनन किया जाता रहा है। इनमें से कुछ खदानों पर विभाग की ओर से चैन माउंटेन मशीन एवं हाईवा गाड़ियों को जब्ती बनाने की कार्रवाई भी की थी, लेकिन अनुबंध खत्म नहीं किया। संभावना जताई जा रही है कि इन नई खदानों में भी बगैर पर्यावरण विभाग से एनओसी लिए रेत उत्खनन किया जा सकता है।

बदले गए एचओडी, चर्चा कई तरह की

रायपुर। शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर के पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में रेडियो डायग्नोसिस विभाग के विभागाध्यक्ष को बदल दिया गया है।

सीनियर एचओडी को अचानक हटाने के बाद कालेज में विभिन्न तरह की चर्चा का दौर शुरू हो गया। डा. एसबीएस करीब 11 साल से विभागाध्यक्ष थे साथ ही उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक की महती जिम्मेदारी भी संभाली थी। उनके स्थान पर डा. विवेक पात्रा को एचओडी की जिम्मेदारी दी गई है। चर्चा है कि किसी विभागाध्यक्ष बदलने का काम आमतौर पर डीन स्तर के अधिकारी करते हैं इस बार आदेश ऊपर से आया है जो चर्चा का माहौल बना हुआ है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

जल एवं भूमि संरक्षण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने रील-फोटोग्राॅफी स्पर्धा, 31 दिसंबर तक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग एवं राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 जलग्रहण विकास घटक अंतर्गत वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव के अंतर्गत रील और फोटोग्राफी स्पर्धा होने जा रही है, जिसके लिए 31 दिसंबर तक पोर्टल पर आवेदन किए जा सकते हैं।

वाटर शेड महोत्सव का उद्देश्य जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण एवं स्थायी कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देना है। महोत्सव के तहत आयोजित सोशल मीडिया प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं। प्रतियोगिता में चयनित 5 रील विजेताओं को 50-50 हजार रुपए तथा 100 फोटोग्राफी विजेताओं को 1-1 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे। रील चयन के लिए 2 रील डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाय 1.0 एवं 2.0 के जल संचयन संरचनाओं पर आधारित होगी। इसमें एक रील केंद्र-राज्य योजनाओं के तहत निर्मित जल संरचनाओं पर तथा 1 रील बागवानी, कृषि वानिकी गतिविधियों पर आधारित होगी। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के इच्छुक प्रतिभागी 31 दिसंबर तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। प्रतिभागियों को 30-60 सेकंड की रील अथवा कैप्शन सहित फोटो तैयार कर जल संरक्षण संरचनाएं चेकडैम, स्टॉपडैम, नाला बंधान, डबरी, सामुदायिक तालाब, लूज बोल्डर, गेबियन आदि या बागवानी एवं कृषि वानिकी गतिविधियां प्रदर्शित करनी होंगी।

निर्धारित हैशटैग का उपयोग अनिवार्य

सामग्री सोशल मीडिया पर पोस्ट करते समय प्रतिभागियों को हैशटैग शामिल करना होगा। प्रतिभागी को पोर्टल पर पोस्ट करना होगा। पंजीयन के दौरान प्रतिभागियों को अपने सोशल मीडिया पोस्ट का लिंक भी अपलोड करना होगा, जिसके बाद उन्हें सफल पंजीकरण का ई-मेल प्राप्त होगा। 31 जनवरी 2026 तक स्क्रीनशॉट जमा करना होगा। प्रतियोगिता समाप्ति के बाद प्रतिभागी अपने पोस्ट के रिच, व्यू, इंगेजमेंट, लाइक एवं कमेंट का स्क्रीनशॉट 31 जनवरी 2026 शाम 6 बजे तक पोर्टल पर अपलोड करेंगे। प्रतियोगिता से संबंधित सभी विवरण विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

online Booking:-www.tripuryatra.com
बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्पेशल ट्रेन से - 20 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 (11 दिन)
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी,
राशि :- स्लीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354 411411

02 नए सिलेबस में शामिल एक्सपेरिमेंट .....

हेल्थ लाइव

पेट की बीमारी से बचने हुए जागरूक फास्ट फूड लंच-डिनर को कर रहे इग्नोर

रायपुर। घर से बाहर नास्ता, भोजन यूं तो हर किसी का शौक होता है, लेकिन मोटापे और पेट की बढ़ती बीमारियों ने लोगों को जागरूक किया है। ऐसे में जो लोग अपनी सेहत को लेकर गंभीर हैं, वे अब स्ट्रीट फूड से तौबा कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर ऑफिस वर्किंग पर्सन और कॉलेज स्टूडेंट्स शामिल हैं। ऑफिस वर्किंग पर्सन और स्टूडेंट्स घर से दफ्तर व कॉलेज निकलने से पहले ब्रेकफास्ट और लंच, पानी बॉटल साथ रखने लगे हैं। यह एक तरह से लोगों में इसे मोटापे और पेट की बीमारी से बचने आई जागरूकता से जोड़कर देखा जा रहा है। चौपाटी, होटल में फास्ट फूड, लंच-डिनर को खास कर ऑफिस एम्प्लॉई और स्टूडेंट्स अब इग्नोर करने लगे हैं। शहर के जाने माने पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित निहाल का कहना है कि नई जनरेशन में पेट संबंधित व मोटापे जैसी समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसको लेकर आने वाले पेशेंट्स को इलाज के साथ-साथ बाहर तले, भुने, मसालेदार भोजन को लाइफस्टाइल का हिस्सा न बनाने का सलाह दे रहे हैं। वहीं घर पर बने नास्ते, भोजन को शामिल करने डायटिशियन से काउंसिलिंग करा रहे हैं। इस दौरान देखने में आया है कि जो गंभीर रूप से पेट की बीमारी से गुजर चुके हैं या मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं, वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों को भी बाहरी खानपान को लेकर अवेयर कर रहे हैं। विशेषज्ञ डॉक्टर का कहना है कि स्ट्रीट फूड के नियमित सेवन से मोटापे व पेट संबंधित बीमारी के गिरफ्त में लोग तेजी से आते हैं। ऐसे में यदि लोगों में अवेयरनेस आ रही है तो सेहतमंद सोसायटी के लिए यह अच्छा संकेत है।

ओपीडी में रोजाना दर्जनभर से अधिक मरीज

इससे कब्ज, गैस, अल्सर जैसी पेट की समस्या आम हो रही है। अस्पताल की ओपीडी में आए दिन दर्जनभर से अधिक मरीज पेट की परेशानी लेकर पहुंच रहे हैं। इनमें लगभग सभी उम्र के लोगों में बड़े, युवा और बच्चे शामिल हैं। खानपान का सीधा सबंध हमारे पेट से है। अगर हम कुछ भी अनहेल्दी फूड्स लेंगे तो उनका हमारी सेहत पर असर पड़ना लाजिमी है। इससे बचने के लिए दवाईयों से ज्यादा कारगर घर का बने हुए सात्विक व पौष्टिक भोजन के साथ-साथ लिविंग लाइफस्टाइल को लेकर जागरूक बनें।

बढ़ रही है जागरूकता

शहर की डायटिशियन पूजा द्विवेदी का कहना है कि खानपान को लेकर लोगों को में लगातार जागरूकता बढ़ रही है। अधिकतर परिवार स्वयं और अपने बच्चों के लिए संतुलित डाइट चार्ट की जानकारी लेने पहुंच रहे हैं। पांच साल पहले हमारे क्लीनिक में डाइट को लेकर एक-दो लोग ही आते थे, पर अब रोजाना 10 से 15 लोग अपने खानपान का डाइट प्लान पूछ रहे हैं। इनमें पेट से संबंधित समस्या व मोटापे से जूझ रहे लोगों से लेकर सामान्य लोग शामिल हैं। काउंसिलिंग में उन्हें बाहर के स्ट्रीट फूड को पूरी तरह से बंद करने और घर का बना भोजन, नास्ते को प्राथमिकता देने कहा जा रहा है। वहीं ऑफिस वर्किंग व स्टूडेंट्स को घर से साथ हेल्दी ब्रेकफास्ट में फल, सलाद, अनाज, रोटी, सब्जी, जूस आदि टिफिन में ले जाने की सलाह दी जा रही है।

फास्ट फूड के नुकसान

फास्ट फूड खाने के कई नुकसान हैं, जिनमें मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यह पाचन संबंधी समस्याएं, लिवर की समस्याएं और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड में उच्च वसा, चीनी, नमक और कैलोरी होती है, जिससे ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो जाते हैं।

संकलेचा परिवार में बेटी के बाद अब माता-पिता भी संयम पथ पर चलेंगे

करोड़ों का कारोबार त्यागकर अब जिएंगे वैराग्य जीवन, सुराणा परिवार के चार सदस्य लेंगे दीक्षा

जैन समाज में त्याग का विशेष महत्व रहा है। जिस उम्र में लोग कॅरियर की ऊंचाइयों और पारिवारिक सुख-सुविधाओं के सपने बुनते हैं, उस दौर में रायपुर के सभ्रांत परिवारों के 8 सदस्यों ने सबकुछ त्याग कर संयम पथ पर चलने का संकल्प लिया है। यह ऐतिहासिक संकल्प मुंबई के बोरीवली में आगामी 8 फरवरी 2026 को आयोजित 'संयमरंग उत्सव' में साकार होगा।

रायपुर। इस महामहोत्सव में देश-विदेश (अमेरिका सहित 5 राज्यों) के कुल 59 मुमुक्षु एक साथ जैन दीक्षा अंगीकार करेंगे। इस विराट आयोजन में रायपुर की भागीदारी सबसे अधिक प्रेरणादायी है, जहां पूरा परिवार और किशोर अवस्था में बालक सांसारिक मोहमाया छोड़कर आत्म-कल्याण की राह चुनने जा रहे हैं। बता दें कि एक ही परिवार के चार सदस्य (सुराणा परिवार) राजेंद्रजी सुंदरलालजी सुराणा परिवार के आशीष (44) और उनकी धर्मपत्नी रितुबेन (42) ने सांसारिक मोहमाया का त्याग करने का निर्णय लिया है, लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली और प्रेरणादायी बात ये है कि उनके दो किशोर बेटे आर्यन (16 वर्ष) और आरुष (14 वर्ष) भी अपने माता-पिता के साथ संयम मार्ग अपनाने को तैयार हैं। जिस उम्र में बच्चे गैजेट्स और वीडियो गेम्स में उलझे रहते हैं, उस उम्र में आर्यन और आरुष का यह निर्णय उनके उच्च संस्कारों का प्रमाण है। बातचीत में बताया कि 2023 में 50 दिनों के ध्यान तप के बाद वैराग्य का त्याग का अर्थ समझ आया था, जिसके बाद मुंबई में भी गुरु के सानिध्य में समय बिताया। इसके बाद परिवार के चार सदस्यों ने वैराग्य चुनने का फैसला लिया है।

वैभवशाली परिवारों का महात्याग, भौतिक सुखों को अलविदा कह छग के 8 मुमुक्षु एक साथ बढ़ेंगे संयम पथ पर, 7 साल की अबोध बालिका से लेकर 70 साल के बुजुर्ग तक शामिल

बेटी की खुशी देख माता-पिता ने भी चुना वैराग्य

बेटी के बाद अब माता-पिता भी संयम पथ पर (संकलेचा परिवार) रायपुर निवासी संकलेचा परिवार के शैलेंद्र (49) और उनकी पत्नी एकता बेन (47) भी इस महायज्ञ में आहुति देने जा रहे हैं। ठीक एक वर्ष पूर्व इसी दंपति की लाडली बेटी ने भी दीक्षा ग्रहण की थी। बेटी के वैराग्य रंग ने माता-पिता को इतना प्रभावित किया कि अब वे भी उसी राह पर चल पड़े हैं। परिवार का कहना है कि वैराग्य जीवन में बेटी को खुश देखकर माता-पिता ने फैसला लिया है। उनका कहना है कि बेटी को देखकर समझ आया। जीवन का सुख त्याग में है। संकलेचा परिवार के शैलेंद्र का बूढ़ापारा में कपड़े का व्यापार है। संयुक्त परिवार में रहते हैं।

ये भी लेंगे दीक्षा

बाल मुमुक्षु और युवा शक्ति पुष्पादेवी देवराजजी सोनिगरा परिवार के प्रमोदभाई एवं शीतलबेन के 13 वर्षीय सुपुत्र तनीष ने बालपन में ही वैराग्य का रास्ता चुना है। वहीं भंसाली परिवार के कपूरचंदजी एवं बदामी बेन की 27 वर्षीय सुपुत्र सुरभि भी युवावस्था में संसार त्याग कर दीक्षा ग्रहण करेंगी। इस सामूहिक दीक्षा और युवाओं में आए इस भारी परिवर्तन के पीछे जिस महाशक्ति का हाथ है, वे हैं जैनाचार्य अध्यात्म सम्राट योगतिलक सूरीश्वरजी महाराजा। आज के दौर में उन्हें 'युवा हृदय परिवर्तक' के नाम से जाना जाता है। उनका व्यक्तित्व और जीवन यात्रा स्वयं में एक अद्भुत मिसाल है, जो आधुनिक शिक्षा और प्राचीन अध्यात्म का संगम है।

मुंबई में अमेरिका के मुमुक्षु भी होंगे शामिल

मुंबई के इतिहास में पहली बार 59 सामूहिक दीक्षाओं का इतना भव्य आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए महीनों पहले से तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। 23 नवंबर को मुंबई में संपन्न हुए मुहूर्त समारोह में हजारों लोगों की उपस्थिति रही। दीक्षा लेने वाले 59 मुमुक्षुओं, 18 भाई और 41 बहनें में 5 भारतीय राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु) के अलावा अमेरिका के मुमुक्षु भी शामिल हैं। दीक्षा लेने वालों में 7 साल की अबोध बालिका से लेकर 70 साल तक के बुजुर्ग भी शामिल हैं। यह दृश्य बताता है कि वैराग्य की कोई उम्र नहीं होती। यह ऐतिहासिक दीक्षा समारोह 8 फरवरी 2026 को बोरीवली मुंबई में संपन्न होगा।

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर निकाली रैली, संगोष्ठी भी

रायपुर। छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर मोर चिन्हारी छत्तीसगढ़ी मंच की ओर से जागरण रैली और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलेक्ट्रेट चौक स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और राजगीत के साथ हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ी भाषियों का बड़ा जुराव कलेक्ट्रेट गार्डन में हुआ। यहां मंच के संरक्षक नंदकिसोर सुकुल, जागेश्वर प्रसाद, अशोक तिवारी सहित अनेक विद्वतजनों ने अपनी बातें रखीं। लोकगायिका रमादत्त जोशी और रेखा जलक्षत्री ने कलाकारों के साथ छत्तीसगढ़ी समाज को जगाने आवाहन गीत की प्रस्तुति भी दी। वहीं साहित्यकारों, पत्रकारों, समाज के पदाधिकारियों, कलाकारों, छात्रों ने रैली निकालकर जागरूक भी किया। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबडेकर की प्रतिमा के पास पढ़बो-लिखबो-बोलबो छत्तीसगढ़ी के नारे भी लगाए। इस मौके पर नंदकिसोर सुकुल सहित अन्य लोगों ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष और राजभाषा बनने के 18 साल बाद भी छत्तीसगढ़ी न तो शिक्षा का माध्यम भाषा बन पाई और न ही सरकारी कामकाज की भाषा। यह सब छत्तीसगढ़ी समाज की उदासीनता और सरकारी उपेक्षा के चलते हो रहा है। यही वजह है कि समाज को जगाने हमारा जागरण का काम भी चल रहा और सरकार से मांग भी सतत जारी है। आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर आयोजन की तैयारियां चल रही हैं।

शिशु विद्या मंदिर मठपुरैना में जुम्बा डांस का आयोजन

विद्यार्थियों ने जुम्बा डांस को किया एंजॉय, एक्सपर्ट ने कहा- हेल्थ के लिए बेस्ट एक्सरसाइज

रायपुर। शिशु विद्या मंदिर मठपुरैना में शुक्रवार को जुम्बा डांस का आयोजन किया गया। यह आयोजन वी-फॉर नेशन, लियो-लॉयन्स क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर-स्वस्थ विचार अभियान से जोड़ने लियो अध्यक्ष मिशिका तिवारी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में वी-फॉर नेशन, लियो-लॉयन्स क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर के पदाधिकारी व स्कूल के शिक्षकों सहित विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा, प्रत्येक व्यक्ति को ये ध्यान रखना चाहिए कि उसका शरीर स्वस्थ रहे, क्योंकि जब तक स्वस्थ नहीं रहेंगे, तब तक कोई भी चीज अच्छी नहीं लगेगी। ऐसे में इसका प्रभाव व्यक्ति के मन और विचारों पर भी पड़ेगा। स्वस्थ शरीर-स्वस्थ विचार की थीम पर ही हम जुम्बा का आयोजन कर रहे हैं। यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें हम नाचते हुए कसरत करते हैं और हमें वैसी थकान भी महसूस नहीं होती, क्योंकि इससे उमंग और उत्साह का संचार होता है। जब भी आप डांस करते हैं, तब आपके मन में सकारात्मक ऊर्जा और खुशी का भाव उत्पन्न होता है, जो आपके मन के साथ-साथ शरीर के लिए भी लाभदायक होता है और इसलिए सामान्य कसरत करने से ज्यादा अच्छे परिणाम जुम्बा करने पर मिलते हैं। लय-ताल और कदमों का संतुलन आपको अनुशासन भी सिखाता है, वहीं विभिन्न मुद्राओं से निर्णय क्षमता विकसित होती है। इस अवसर पर जेएस ठाकुर, सुनील श्रीवास्तव, मिशिका तिवारी, प्राचार्या निधि, एलडी पाल, आरपी पाल, प्रवीण, ममता टोप्पो तिग्गा, रोहित सोनी, अक्षय, कार्तिक, श्रेया, शाला के शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल रहे।

एक्सपर्ट के मूव पर किया डांस

कार्यक्रम का संचालन मिशिका तिवारी ने किया। विद्यार्थियों ने जुम्बा डांस का बहुत आनंद लिया। वहीं ऐसे आयोजन बार-बार करने का आग्रह किया। जुम्बा एक्सपर्ट्स के तौर पर अक्षय डांस अकादमी के रोहित, अक्षय और कार्तिक ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। जुम्बा एक्सपर्ट्स के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अलग-अलग स्टेप व सांग्स पर डांस कर अपने मन-मस्तिष्क को तरोताजा किया। एक्सपर्ट्स ने कहा कि सप्ताह-15 दिनों में जुम्बा डांस करते रहना चाहिए।

आराधना

राधाकृष्ण मंदिर की स्थापना वर्षगांठ पर हनुमान चालीसा पाठ और भजन संध्या

रायपुर। जीवन विहार कॉलोनी स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर की स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कॉलोनीवासियों व संस्था द्वारा भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोतीलाल साहू, विधायक-रायपुर ग्रामीण, विशिष्ट अतिथि संस्था के संरक्षक एवं पूर्व विधायक राजकमल सिंघानिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया एवं उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि मोतीलाल साहू ने अपने उद्बोधन में सभी कॉलोनीवासियों एवं सिंघानिया परिवार को 10वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कॉलोनी का वातावरण अत्यंत स्वच्छ एवं हरा-भरा है और कॉलोनी से जुड़े किसी भी कार्य में वे सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। संरक्षक राजकमल सिंघानिया ने भी सभी को बधाई देते हुए कहा कि कॉलोनीवासी उनके परिवार जैसे हैं और किसी भी जरूरत पर वे आधी रात में भी उपस्थित होने के लिए तैयार हैं।

ये हुए शामिल

कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलोनी के सूरज सिंह बघेल, विजय नथवानी, ऋषिराज सिंघानिया, कमल टंडन, प्रशांत बानी, प्रवीण वाधवानी, पवन चंद्र तिवारी, प्रदीप कुमार तिवारी, टीके सरकार, सत्तू सिंह, पुरुषोत्तम छुगानी, अभय अकोलेकर, कैलाश राठी, राजेश राठी, कमलकांत टंडन, युसूफ शरीफ, परमवीर मनचंदा, शरणदीप सिंह सलूजा, अभिजीत अकोलकर, जुगलकिशोर सिन्हा, कल्पना सिन्हा, नवीन सिंह, रमेश भाकुनी, राजकुमारी द्विवेदी, गोकुल पटेल आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

धर्म लाइव

हाटकेश्वर महादेव प्रांगण में ऋग्वेद पारायण महायज्ञ शुरू

रायपुर। हाटकेश्वर महादेव बाबा के प्रांगण में स्थित बोल बम सेवा समिति के परिसर में शुक्रवार से ऋग्वेद पारायण महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। इस महायज्ञ का आयोजन राजेंद्र एवं शिव अग्रवाल परिवार द्वारा लोक-कल्याणार्थ किया गया है। संस्कार और वैदिक परंपराओं से ओत-प्रोत इस महायज्ञ में कन्या गुरुकुल आमसेना की ब्रह्मचारिणी सस्वर वैदिक पाठ करती हुईं, प्रत्येक मंत्र के साथ आहुति समर्पित कर रही हैं।

छह दिवसीय महायज्ञ

इस महायज्ञ के सफल संचालन के लिए दिल्ली से पधारे प्रतिष्ठित वैदिक विद्वान यज्ञाचार्य डॉ. वेदपाल आर्य, राजनांदगांव से डॉ. कमल नारायण आर्य, दुर्ग से डॉ. अजय आर्य और रायपुर से पं. राकेश दुबे एवं पं. नंदकुमार आर्य अपनी विद्वत उपस्थिति के साथ अनुष्ठान का संचालन कर रहे हैं। यह महायज्ञ 6 दिनों तक निरंतर चलेगा और लोककल्याण, शांति, और समृद्धि की कामना के साथ इसका आयोजन किया जा रहा है। इस पवित्र आयोजन का उद्देश्य समाज में शांति और समृद्धि का विस्तार करना है। महायज्ञ के आयोजन से क्षेत्र में भक्तों का आस्था और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है और लोग इस अनुष्ठान से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हो रहे हैं।

समाज इवेंट

महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर हुई संगोष्ठी

रायपुर। मरार पटेल समाज राज और छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को शाकम्भरी भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन, संघर्ष और उनके समाज सुधारक विचारों पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अंतर्राष्ट्रीय कलाकार डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल, नेत्र सर्जन डॉ. मनीष श्रीवास्तव, पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संरक्षक आनंदराम, सांसद प्रतिनिधि अनिल अग्रवाल, सेवानिवृत्त अपर संचालक राजेंद्र पटेल, सर्व समाज के प्रदेश संयोजक ब्रह्मदेव पटेल उपस्थित रहे।

जीवनगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि उनका जीवन यात्रा प्रेरणादायक है। उन्होंने समाज में व्याप्त विषमताओं, अशिक्षा, कुरीतियों और महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए कदम उठाए। विशेष रूप से माता सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर उन्होंने महिला शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जो कार्य किया, वह समय के परिप्रेक्ष्य में अत्यधिक प्रासंगिक है। संगोष्ठी के दौरान कहा गया कि महात्मा ज्योतिबा फुले की जीवनी और उनके योगदान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए, ताकि बच्चों को शुरुआती स्तर से ही समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के मूल्यों से परिचित कराया जा सके।

जनवरी में प्रैक्टिकल एग्जाम को लेकर स्कूलों में तैयारियां तेज, छात्र कर रहे प्रयोगात्मक विषयों की रिवीजन

नए सिलेबस में शामिल एक्सपेरिमेंट की स्कूल में तैयारी शुरू, पालक और मटर के दानों से कर रहे डीएनए एक्सट्रैक्शन की प्रैक्टिकल

बोर्ड परीक्षा नजदीक आते ही दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों की तैयारी तेज हो गई है। सीजी और सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के छात्रों के लिए लगभग जनवरी माह में प्रैक्टिकल एग्जाम होने हैं। इस दौरान सभी स्कूलों में प्रैक्टिकल एग्जाम की तैयारी जोरों पर है, ताकि छात्रों को अंतिम परीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार किया जा सके। शासकीय विद्यालयों में बायोलॉजी, फिजिक्स और केमिस्ट्री जैसे कठिन विषयों की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहां विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल्स के जरिए जटिल सिद्धांतों को प्रयोग माध्यम से सरल बनाने का प्रयास जारी है, ताकि वार्षिक परीक्षा में दौरान प्रश्नों का विश्लेषण बेहतर शब्दों में किया जा सके।

रायपुर। फाइनल एग्जाम के लिए स्कूल में डीएनए एक्सट्रैक्शन, प्रकाश और जीव-जंतुओं के अंगो का क्लासिफिकेशन नए विषय बिन्दुओं के रूप में सामने आ रहा है। जहां शिक्षिक छात्रों का रूझान विज्ञान विषय में बढ़ाने के लिए नए प्रैक्टिकल स्कूल के बाहर भी कर रहें। शासकीय विद्यालयों में छात्रों को सिर्फ लैब तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि जीव-जंतुओं और प्राकृतिक परिवेश के बारे में गहरी समझ स्थापित करने के लिए उन्हें गांवों का भ्रमण भी कराया जा रहा है। इस भ्रमण के दौरान छात्र प्राकृतिक पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं और प्रायोजनाओं को साक्षात रूप में देख कर समझ पा रहे हैं। हरिभूमि से बातचीत के दौरान शिक्षक ने बताया कि इससे विद्यार्थियों का थ्योरी मजबूत हो रहा। वे जटिल सिद्धांतों को बेहतर तरीके से समझने में सक्षम हैं।

जीव-जंतुओं के अंगों का अध्ययन

नई शिक्षा नीति के तहत बारहवीं कक्षा के छात्रों को निर्धारित प्रैक्टिकल बिंदुओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण विषयों में भी जानकारी दी जा रही है। छात्रों की वर्तमान परिस्थिति और आसपास के परिवेश के आधार पर प्रैक्टिकल विषयों का चयन किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में छात्रों को विभिन्न प्रकार के पौधे, जानवर, कवक और सूक्ष्मजीवों के बारे में विस्तार से समझने का अवसर मिल रहा। लैब में कुछ मिनट का समय दिया जाता है, ताकि वे जीव-जंतुओं का निरीक्षण करके उनकी क्लासिफिकेशन, कैरेक्टर और अंगों का अध्ययन कर सकें। छात्र इन जीवों का चित्रण भी करते हैं, जिससे उन्हें विषय की गहरी समझ मिलती है।

प्रैक्टिकल में परावर्तन के नियमों की जानकारी

शासकीय विद्यालय की शिक्षिका डॉ. माधुरी बोरेकर ने बताया कि इस वर्ष परीक्षा में प्रायोजन और प्रैक्टिकल दोनों शामिल हैं। थ्योरी परीक्षा में भी प्रैक्टिकल से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे, जिससे छात्रों को विषयों को समझने और जानकारी को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। दसवीं कक्षा के छात्रों को पुष्प के मादा और नर जननांकों का अध्ययन, और अम्ल और क्षार की पहचान जैसे प्रयोग स्कूल लैब में कराए जा रहे हैं। साथ ही छात्रों को कांच के गुटकों की मदद से अपवर्तन के नियम का सत्यापन, और समतल दर्पण के माध्यम से परावर्तन के नियम की गहरी समझ भी दी जा रही है। इसके लिए समय-समय पर छात्रों को धूप की किरणों का उपयोग करके इन प्रयोगों का अभ्यास कराया जा रहा है, ताकि वे इन सिद्धांतों को वास्तविक जीवन में अनुभव कर सकें। इस तरह की प्रैक्टिकल गतिविधियां छात्रों की समझ को और भी मजबूत बना रही हैं, और उन्हें परीक्षा में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए तैयार कर रही हैं।

एनिमेशन और मोशन ग्राफिक्स से कठिन विषयों की तैयारी

नवोदय विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार बिसेन ने बताया कि नवंबर माह तक सभी विषयों की पढ़ाई पूरी कर ली गई है, और अब सीबीएसई द्वारा निर्धारित प्रैक्टिकल एग्जाम की तैयारी की जा रही है। इस वर्ष छात्रों को डीएनए एक्सट्रैक्शन के लिए पालक और मटर के दानों की मदद से प्रयोग कराया जा रहा है, जो उन्हें बायोलॉजी के कुछ जटिल पहलुओं को सरल तरीके से समझने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि इस बार छात्रों को हर विषय में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रैक्टिकल सेशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छात्रों को समय-समय पर विभिन्न प्रयोगों की जानकारी दी गई, और स्वयं प्रयोग करके उन्हें अनुभव प्राप्त करने का भी मौका मिला है। यह प्रयास बायोलॉजी, फिजिक्स और केमेस्ट्री जैसे विषयों में उनकी पकड़ को मजबूत करने के लिए एक बेहतर प्रयास है। इस वर्ष बायोलॉजी, फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ सब्जेक्ट के लिए एनिमेशन और मोशन ग्राफिक्स की मदद ली गई, जिससे कम से कम समय में छात्रों को सीखने में मदद मिली है।

शादियों में मेहंदी रस्म को खास बनाने डिजाइनर की बढ़ी डिमांड, हाथों पर उकेर रहे दूल्हा-दुल्हन के चित्र और नाम

रायपुर। शादियों में ब्राइडल मेहंदी के लिए हाथ पर आकर्षक डिजाइन बनाने के लिए मोर, हाथी, और कमल जैसे शुभ चिन्हों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा मंडला, जाल और दूल्हा-दुल्हन जैसी डिजाइन भी लोकप्रिय हो रही हैं, जो ब्राइडल के हाथों को खूबसूरत और आकर्षक बनाती हैं। आधुनिक और स्टाइलिश लुक के लिए दूल्हा और दुल्हन की तस्वीर या नाम को छिपे हुए रूप में डिजाइन में शामिल किया जा रहा है। ये कहना है शहर की टॉप मेहंदी डिजाइनर पार्वती सिन्हा का। उन्होंने बताया कि शादी का सीजन चल रहा है, ऐसे में दूल्हा और दुल्हन दोनों ही के फैमिली वाले मेहंदी डिजाइनर हायर कर रहे हैं। गौरतलब है कि शादी हो और मेहंदी की बात न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। शादी में हल्दी और मेहंदी रस्म की परंपरा खास होती है। यही वजह है कि दुल्हा-दुल्हन के अलावा गेस्ट, फैमिली के सदस्य, खासकर दुल्हन की सहेलियां, बहनें, मामी, चाची, बुआ के हाथों में मेहंदी की आकर्षक डिजाइन देखी जाती है।

इसके लिए मेहंदी डिजाइनर को शादी फिक्स होते ही सबसे पहले बुक कर लिया जाता है। मेहंदी के रंग को गहरा करने के लिए नीबू और चीनी का घोल लगाएं। शादी के सीजन में लगभग शहर के सारे मेहंदी डिजाइनर्स एडवांस में बुक हो रहे हैं। बात करें मेहंदी डिजाइन की, तो शैडो इफेक्ट मेहंदी में शैडो और 3-डी इफेक्ट की डिमांड काफी बढ़ी है। पारंपरिक मेहंदी डिजाइन में कलाई पर कई पट्टियां बनाना या पत्तियों में छोटे नाम छिपाना चलन में है। एक मंडप के लिए मेहंदी डिजाइनर 5 से 10 हजार रुपए तक में बुक हो रहे हैं। इस तरह मेहंदी डिजाइनर्स की शादियों के सीजन में खूब डिमांड बढ़ गई है।

पारंपरिक और शुभ डिजाइन की डिमांड

हाथी शक्ति, समृद्धि और बुद्धिमत्ता का प्रतीक है और सौभाग्य लाता है। वहीं मोर शान, ग्लैमर और सुंदरता का प्रतीक है। कमल और गुलाब ये फूलों की डिजाइन पारंपरिक और आकर्षक लगती है तथा हाथों की खूबसूरती बढ़ाती है। मंडला उन लोगों के लिए एक बढ़िया विकल्प है, जो बहुत भरी हुई या खाली डिजाइन नहीं चाहते हैं। ये हाथों को एक अनोखा और सुंदर लुक देती है।

आधुनिक और व्यक्तिगत डिजाइन

हाथों पर दूल्हा और दुल्हन के चित्र या उनके नाम के पहले अक्षर को शामिल करना एक बहुत ही व्यक्तिगत और लोकप्रिय तरीका है। मंडप और जयमाला की डिजाइन में कलश, फूल, हाथी और जयमाला जैसी मेहंदी डिजाइन को शामिल किया जा सकता है। आर्टिस्टिक डिजाइन में अलग-अलग शैलियों को मिलाकर फ्यूजन डिजाइन भी बनवा रही हैं। अरबी डिजाइन अपनी बोल्ड लाइनों और बड़े फूलों के लिए लोकप्रिय है।

कान्यकुब्ज गुप्ता समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में छग समेत चार राज्यों से पहुंचे लोग

रायपुर। कान्यकुब्ज वैश्य गुप्ता समाज का अखिल भारतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं परिचय सम्मेलन गोंडवाना भवन सिविल लाइन में आयोजित हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन महापौर अलका बाघमार ने किया। वहीं समापन समारोह में मंत्री गजेंद्र यादव प्रमुख रूप से शामिल हुए। गणेश भगवान एवं सरस्वती माता की पूजा अर्चना कर गणेश नृत्य के साथ कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के अलावा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुंबई सहित अन्यप्रदेशों से स्वजातीय बंधुओं एवं स्वजातीय महिलाएं शामिल हुईं। लगभग 6000 लोगों का आगमन हुआ। वहीं 9 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर मंत्री गजेंद्र यादव ने समाज की मांग पर सामाजिक भवन के लिए 15 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की। अखिल भारतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं परिचय सम्मेलन में अल्का बाघमार ने कहा कि गुप्ता समाज ने जो सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया है।

सामाजिक प्रतिभाओं और पदाधिकारियों को किया सम्मानित

इस अवसर पर सभी स्थानों से आए हुए पदाधिकारियों का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही दुर्ग जिला समाज की गौरव अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी गोल्ड मेडलिस्ट आकर्षि कश्यप वर्तमान में डीएसपी के पद पर पदस्थ आकर्षि कश्यप को समाज के गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। उनके पिता डॉ. संजीव कश्यप को चिकित्सक के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज कीदुर्ग नगर निगम गंजपारा वार्ड से पार्षद पद पर प्रतिभा गुप्ता को निर्वाचित होने पर उन्हें दुर्ग जिला समाज की ओर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

एग्जिबिशन में पाइन, सर्पिन, फिकस, चीनी एल्म, चाइनीज इल्डर, गार्डेनिया, गुग्गल, अग्निमंथ बोनसाई ट्री

बोनसाई फेस्टिवल : प्राकृतिक सौंदर्य और कला का अद्भुत संगम, नन्हे पौधों की उम्र 55 साल

कार्नर न्यूज

रायपुर। मैग्नेटो मॉल में तीन दिवसीय 'बोनसाई फेस्टिवल' का आयोजन किया गया है। जहां पहले दिन एग्जिबिशन में प्राकृतिक सौंदर्य और मानवीय कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां 1 साल से लेकर 50 साल से अधिक उम्र तक के बोनसाई प्लांट्स नजर आए। यह आयोजन द बोनसाई हाट, बोनसाई नर्सरी द्वारा आयोजित किया गया। प्रदर्शनी में पाइन, सर्पिन, फिकस, चीनी एल्म, चाइनीज इल्डर, गार्डनिया, गुग्गल, अग्निमंथ जैसे बोनसाई के दुर्लभ और औषधीय पौधे शामिल हैं। हरिभूमि से बातचीत के दौरान प्रबंधक पूर्णिमा जोशी ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रकृति प्रेमियों को कम जगह पर बोनसाई ट्री की देखरेख और बोनसाई आर्ट को लोगों तक पहुंचाना है।

55 साल पुराना ढाई फीट ऊंचा बोनसाई ट्री

प्रबंधक पूर्णिमा जोशी ने बताया कि साल 2012 में पिता ने सालों पुराना बोनसाई पौधा उपहार में दिया था, जो अब 55 साल का हो चुका है। इस पौधे की कीमत 2-3 लाख रुपए तय की गई है, जो देखने में बरगद वृक्ष का छोटा और जीवंत रूप नजर आता है। ढाई फीट ऊंचा बोनसाई ट्री समय के साथ मैच्योर हो चुका है।

गुजरात से पोरस रॉक लैंडस्केप

एग्जिबिशन में गुजरात का पोरस रॉक लैंडस्केप और समुद्री स्टोन खास बोनसाई ट्री के लिए लाया गया है। इन लैंडस्केप पर ही बोनसाई के सालों पुराने पौधे लगाए जाते हैं, जो आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां 500 रुपए से लेकर 3 लाख रुपए तक का बोनसाई ट्री लाया गया है। ये पौधे सालों पुराने होने के बाद भी इनकी ऊंचाई मात्र 4-5 फीट तक है।

एग्जिबिशन में पीपल और बरगद का अनोखा पेड़

एग्जिबिशन में अनोखा पेड़ नजर आया, जहां एक ही पॉट में बरगद और पीपल का पेड़ शामिल था। प्रबंधक ने बताया, ये पौधा भी लगभग 30-40 साल पुराना है, जिसे मैच्योर होने में 2 साल का वक्त और लगेगा। एक ही टब में दोनों पेड़ लगाए गए हैं, जिसकी जड़ें अब आपस में लिपटी हुई हैं। ये अनोखा दृश्य लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहा, जहां वे आर्ट डिजाइन और देखरेख का तरीका पूछने पहुंचे।

बोनसाई आर्ट में डिजाइन के लिए वायरिंग का इस्तेमाल

बोनसाई आर्ट के लिए पौधों को पॉट में तैयार किया जाता है, जो समय के साथ पौधों को मैच्योर होने में मदद करता है। आर्ट में पौधे को पानी कम मात्रा में दिया जाता है, ताकि उनकी जड़ें मजबूत हो सकें। बोनसाई आर्ट के लिए ऊंचे पौधों की कटिंग की जाती है, वहीं डिजाइन के लिए खास वायरिंग का उपयोग किया जाता है, ताकि डिजाइन के अनुसार पौधे को मनचाही दिशा में मोड़ा जा सके।

सिटी स्पोर्ट्स

म्यू थाई में नेशनल कोच बनीं टिकेश्वरी

रायपुर। एकलव्य खेल परिसर, जावंगा, गीदम में पदस्थ खेल एवँ युवा कल्याण दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) की कोच टिकेश्वरी साहू को म्यू थाई खेल में एक मात्र महिला नेशनल कोच के रूप में चयनित किया गया है। टिकेश्वरी छत्तीसगढ़ की पहली महिला म्यूथाई अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी है जिसे अधिकारिक रूप से नेशनल कोच का दर्ज़ा प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता प्राप्त म्यूथाई खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था आईएफएमए से सम्बद्धता प्राप्त भारत की म्यूथाई खेल संस्था यूनाइटेड म्यूथाई एसोसिएशन इण्डिया (यूएमएआई) की एग्जीक्यूटिव बोर्ड (कार्यकारिणी) और आमसभा प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में हुई थी, जहां यह उपलब्धि हासिल हुई। यूएमएआई अध्यक्ष मनोज वर्मा की अध्यक्षता में श्रीराम चौधरी (महासचिव-यूएमएआई) द्वारा आयोजित की गई बैठक में अनेक मुद्दो पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस बैठक में छत्तीसगढ़ एमेच्योर म्यूथाई एसोसिएशन के महासचिव अनीस मेमन ने छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया। ज्ञात हो कि अनीस मेमन यूनाइटेड म्यूथाई एसोसिएशन इण्डिया (यूएमएआई) के संयुक्त सचिव भी है। उपरोक्त जानकारी देते हुए राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने आगे बताया कि उक्त बैठक में 07 सदस्यीय नेशनल कोच का पैनल सर्वसम्मति से चुना गया जिसमे 06 पुरुष एवँ एक मात्र महिला सदस्य है जो विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में कोच के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंडर -14 क्रिकेट में प्लेट कंबाइंड की शानदार पारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर -14 एलिट ग्रुप का तीन दिवसीय फाइनल मैच (28 से 30 नवंबर) शुरू हुआ। शुक्रवार को पहले दिन बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर -1 में रायपुर एवं प्लेट कंबाइंड के मध्य मुकाबला शुरू हुआ। जिसमें प्लेट कंबाइंड ने टॉस जीता एवं पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक प्लेट कंबाइंड की टीम ने 9 विकेट पर 307 रन बनाएं। अमन कुमार 75 रन, अमिताभ सिंह ने 66 रन, मोहम्मद असद ने 48 रन और स्वास्तिक केसरी ने नॉट आउट 44 रन बनाए। गेंदबाजी में रायपुर के हर्ष साहू ने तीन विकेट, अथर्व सिंह ने दो विकेट, समर्थ चांडक, शशांक तिवारी एवं अनमोल राज सिंह ने एक-एक विकेट लिए और एक खिलाड़ी रन आउट रहा।

छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट चयन कल

भिलाई। छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट टीम के चयन हेतु रविवार 30 नवम्बर को चयन परीक्षण आयोजित किया जाएगा। यह ट्रायल भिलाई सिविक सेंटर स्थित दिव्यांग क्रिकेट मैदान में संपन्न होगा। खिलाड़ियों के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 8:00 बजे निर्धारित किया गया है। यह चयन आगामी सेंट्रल ज़ोन दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 के लिए किया जा रहा है, जिसका आयोजन उत्तर प्रदेश के वाराणसी (बीएचयू ग्राउंड) में 16 से 18 दिसम्बर के बीच होगा। इस टूर्नामेंट के लिए छत्तीसगढ़ के सर्वश्रेष्ठ 14 दिव्यांग खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। चयन परीक्षण में छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के चयनकर्ता मौजूद रहेंगे। सभी खिलाड़ियों को सफेद क्रिकेट ड्रेस,पूरा क्रिकेट किट, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव श्रीमंत झा एवं उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने दी।

कृति के नाबाद 60 रनो की बदौलत छत्तीसगढ़ की जीत

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित वुमेंस अंडर 23 टी 20 क्रिकेट टुर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की टीम का तीसरा मैच 27 नवंबर को चंडीगढ में हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। हिमाचल प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 113 रन ही बनाये। हिमाचल की ओर से देवांशी वर्मा ने 30 तथा हिमांशी मेहता ने 22 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से साक्षी शुक्ला ने 4 विकेट तथा महक नरवसे ने 2 विकेट प्राप्त किये। 114 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ ने 19.3 ओवरों में 6 विकेट खोकर 114 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान कृति गुप्ता ने नाबाद 60 रन तथा कुमुद साहु ने 33 रनों का योगदान दियां। हिमाचल की ओर से मनीषा तथा रिंकल पांडे ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 4 विकेट से जीत लिया।

कई बार चुपके से घर कर लेती है बीमारियां

हाई ब्लड प्रेशर के इन लक्षणों से अधिकतर लोग रहते हैं अनजान, ऐसे संकेतों को बिल्कुल न करें इग्नोर

ब्लड प्रेशर बढ़े रहने को सेहत के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता है, इससे सबसे ज्यादा खतरा हृदय स्वास्थ्य को रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर सामान्य से अधिक बना रहता है उनमें हार्ट अटैक-हार्ट फेलियर और ब्रेन स्ट्रोक होने का जोखिम अधिक होता है। इसे कंट्रोल में रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है, भले ही आपकी उम्र कम है और आपको पहले ब्लड प्रेशर की समस्या नहीं रही है। डॉक्टर कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को ब्लड प्रेशर की नियमित जांच करते रहना और इसके लक्षणों पर ध्यान देते रहना सभी के लिए जरूरी है।

डॉक्टर कहते हैं, कई ऐसी स्थितियां हैं जो ब्लड प्रेशर बढ़ाने वाली हो सकती हैं। ज्यादा नमक खाना, तंबाकू या शराब का सेवन, अक्सर तनाव लेते रहना रक्तचाप को बढ़ाने वाली स्थितियां हैं। इसके अलावा कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे किडनी की समस्या, मधुमेह और स्लीप एपनिया के शिकार लोगों में भी इसका जोखिम देखा जाता रहा है। ब्लड प्रेशर के कई लक्षण ऐसे हैं जिससे आमतौर पर हम में से अधिकतर लोग अनजान होते हैं। आइए इस बारे में जानते हैं।

ब्लड प्रेशर बढ़ने पर क्या होता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्लड प्रेशर बढ़ने का शरीर पर कई प्रकार से असर हो सकता है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता होती है। कई मामलों में हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों में कोई लक्षण नहीं होते। वहीं जिन लोगों को अक्सर ये दिक्कत बनी रहती है उनको कुछ तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) के कारण सिरदर्द और सीने में दर्द, चक्कर आना, मतली और उल्टी, धुंधला दिखाई देना, सुन्नता या कमजोरी, नाक से खून आने की समस्या होना आम है। इसके अलावा भी कुछ संकेत हैं जिसपर सभी लोगों को ध्यान देते रहना चाहिए।

सांस लेने में तकलीफ होना

सांस की तकलीफ का अनुभव करना, विशेष रूप से शारीरिक गतिविधि के दौरान बहुत आम है। हालांकि अगर आपको अक्सर ये दिक्कत होती रहती है, यहां तक कि आराम करते समय भी अगर आपका सांस फूलते रहता है तो ये उच्च रक्तचाप का संकेत हो सकता है। सर्दियों के दिनों में ठंडी हवा के कारण वायुमार्ग संकुचित हो जाती है। इसके कारण उच्च रक्तचाप वाले व्यक्तियों के लिए सांस लेना अधिक हो सकता है। यदि आप असामान्य रूप से सांस फूलने की दिक्कत महसूस करते रहते हैं तो अपने ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करा लें।

नाक से खून आना

नाक या मुंह पर चोट लगने के कारण नाक से खून आने की दिक्कत हो सकती है हालांकि अगर आपको बिना किसी कारण के नाक से खून आ रहा है तो ये उच्च रक्तचाप का संकेत हो सकता है। खासकर सर्दियों में

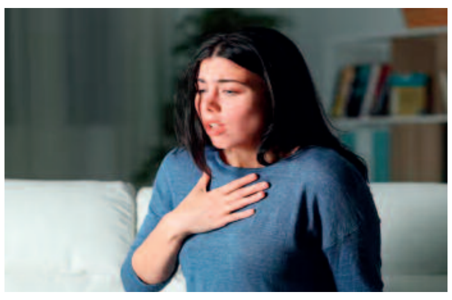

शुष्क और ठंडी हवा के कारण नाक की झिल्लियों के भंगुर होने का खतरा रहता जिससे आपको रक्तस्त्राव हो सकता है। जिन लोगों को अक्सर हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बनी रहती है उनमें भी इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

धुंधला दिखने की दिक्कत

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि जिन लोगों का रक्तचाप 180/120 या उससे अधिक हो जाता है, उन्हें दृष्टि में बदलाव जैसे कि धुंधलापन का अनुभव हो सकता है। ब्लड प्रेशर हाई होने से आंखों के भीतर छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने लगता है। लंबे समय से बने रहने वाली इस समस्या के कारण आपको धुंधला दिखाई देने और आंखों से संबंधित कई तरह की अन्य दिक्कतें भी हो सकती हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि उच्च रक्तचाप से जूझ रहे कुछ लोगों में दृष्टि संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

एल्युमीनियम फॉइल के इस्तेमाल से सब्जियां और फल रहेंगे फ्रेश

क्या आप भी एल्युमीनियम फॉइल का यूज केवल खाना कवर करके गर्म रखने तक समझती हैं, तो आप शायद गलत हैं। आज हम आपके सिल्वर फॉइल को और किन तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है। उसके कुछ ट्रिक्स बताने जा रहे हैं। जिनको आप भी एक बार जरूर आजमा कर देखें।

अपनाएं ये एल्युमीनियम फॉइल हैक्स

आज हम आपको इन सबके अलावा आप कैसे इस एल्युमीनियम फॉइल की मदद से अपनी सब्जियों और फलों को खराब होने से बचा सकती हैं। उसके हैक्स बताने जा रहे हैं। जिससे आप अपनी बहुत सी खराब हो जाने वाली चीजों को बचा पाएंगी।

अदरक नहीं सूखेगी

अक्सर हम लोग फ्रिज में या बाहर ऐसे ही अदरक रख देते हैं, जो कि सूखने लगती है। यदि आप अदरक को एल्युमिनियम फॉइल में लपेटकर रखेंगी तो वो बिल्कुल नहीं सूखेगी।

कटा हुआ सेब

कटा हुआ सेब चाहे जितना भी ढककर रख दो वो काला पड़ ही जाता है। लेकिन आप यदि कटे सेब को पेपर फ़ॉइल में लपेटकर फ्रिज में रखेंगी तो वो कभी काला नहीं होगा।

हरी पत्तेदार सब्जियां

सर्दियों में आने वाली हरे पत्तेदार सब्जियां जैसे

पालक, मेथी, बथुआ और हरा धनिया एकदम हरा भरा रखना चाहती हैं, तो आप इसको सिल्वर फॉइल में फोल्ड करके फ्रिज में रखें। आप जब भी इसको निकालेंगे ये बिल्कुल हरा-भरा मिलेगा।

केला फ्रेश रखने के लिए

यदि आप केले का पूरा बंच ले आएं हैं और आपको उसके खराब होने का डर है तो आप उसके ऊपर वाले भाग पर एल्युमिनियम फॉइल लपेट दें। आपके केले चार पांच दिन तक खराब नहीं होंगे।

टाइट ब्रेड होगी सॉफ्ट

यदि ब्रेड रखे रखे टाइट हो चुकी है तो आप उसपर बटर या घी लगाकर माइक्रोवेव करें। ब्रेड एकदम मुलायम हो जाएगी।

बिना पानी में डाल करें बॉयल

आप कोई भी सब्जी या फल को बिना पानी में डाले उबाल सकती हैं। इसके लिए आपको एक पेन में पानी डालना है और उसमें सिल्वर फॉइल की छोटी छोटी कई बॉल्स बनाकर डाल दें।

घर में दो शिवलिंग रखे जा सकते हैं?

अगर आप भी घर के मंदिर में शिवलिंग रखती हैं और उसकी नियम से पूजा करती हैं तो आपके लिए ये जान लेना भी जरूरी है कि घर में कितने शिवलिंग रखने चाहिए। हिंदू धर्म में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। शिवलिंग को शिव की ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है और मान्यता है कि इसे घर में स्थापित करने से शांति, सकारात्मकता और समृद्धि का आगमन होता है। घर में शिवलिंग रखने से आपके रहने की जगह में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक महत्व आ बना रहता है। भगवान शिव के कई भक्त अक्सर यह सोचते हैं कि क्या घर में दो शिवलिंग रखना उचित है या नहीं। इस सवाल का जवाब व्यक्तिगत मान्यताओं और धार्मिक ग्रंथों की व्याख्याओं के आधार पर भिन्न-भिन्न होता है। हिंदू धर्म में, शिवलिंग भगवान शिव के निराकार रूप का प्रतीक माना जाता है और उनकी दिव्य ऊर्जा का एक शक्तिशाली प्रतिनिधित्व करता है। घर में शिवलिंग रखने से आपके घर का आध्यात्मिक वातावरण बढ़ता है, लेकिन आपको घर में कितने शिवलिंग रखने चाहिए, जिससे घर का वातावरण अनुकूल हो सके, इसके बारे में जानकारी लेना जरूरी होता है। अगर आप भी घर के मंदिर में शिवलिंग रखती हैं तो इस बारे में ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें। शिवलिंग को सृष्टि के निर्माण, पालन और संहार का प्रतीक माना जाता है। यह शिव और शक्ति के अनंत स्वरूप का प्रतिनिधित्व करता है।

जीवन में चिंता और उदासी को दूर कर देगी आपकी ऐसी आदतें

ऐसा लगता है कि, लाइफ में चिंता और उदासी होना आम बात सी हो गई है। आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, चिंता और उदासी की भावनाएँ अक्सर हम पर हावी हो जाती है। हालाँकि, कुछ आदतें अपनाने से मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है। जिनके बारे में आपको जानना जरूरी है।

नियमित व्यायाम

जीवन की चिंता और उदासी से निपटने के लिए व्यायाम सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। क्या आप जानते हैं? शारीरिक गतिविधि करने से बॉडी में एंडोर्फिन जारी होती है, जो प्राकृतिक मूड लिफ्टर हैं। शारीरिक गतिविधियों में चाहे तेज चलना हो, योग करना हो या जिम टाइम हो। नियमित व्यायाम करना आपके दिमाग और शरीर को संतुलन में रखने में मदद कर सकता है।

माइंडफुलनेस और मेडिटेशन

माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करने से तनाव का स्तर काफी हद तक कम हो सकता है। इसका रेगुलर अभ्यास आपको वर्तमान में जीने और ध्यान केंद्रित करने में मदद करता हैं। आपके इस आदत से अतीत के पछतावे या भविष्य की चिंताओं पर सोचने की प्रवृत्ति कम होने लग जाती है। प्रत्येक दिन कुछ मिनटों का ध्यान करना भी बड़ा अंतर ला सकता है।

हेल्दी भोजन

एक्सरसाइज और ध्यान करने के अलावा, पोषक तत्वों से

भरपूर संतुलित आहार भी आपके मूड पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन से भरपूर आहार जहां एक तरफ मेन्टल हेल्थ को ठीक रखता है। वहीं, इससे चिंता और उदासी के लक्षणों को कम करने में भी मदद मिलती है। अत्यधिक चीनी और कैफीन से बचें, जिससे मूड में बदलाव हो सकता है।

पर्याप्त नींद

मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहने के लिए नींद काफी महत्वपूर्ण है। कम सोने या नींद में कमी व्यक्ति के जीवन में चिंता और उदासी की भावनाओं को बढ़ा सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि, आपके दिमाग और शरीर को अच्छी तरह से आराम मिले प्रति रात 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद का लक्ष्य रखें।

सोशल कनेक्शन

एक मजबूत सोशल कनेक्शन भावनात्मक रूप से ठीक रहने के लिए जरुरी हैं। परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं, सामाजिक गतिविधियों में शामिल हों और ज़रूरत पड़ने पर अपने कनेक्शन से समर्थन मांगें। मीनिंगफुल रिश्ते अपनेपन की भावना प्रदान करते हैं और अलगाव की भावना को कम करते हैं।

स्क्रीन समय

अत्यधिक स्क्रीन समय, विशेष रूप से सोशल मीडिया पर, चिंता और उदासी की भावनाओं को बढ़ा सकता है। अपने स्क्रीन उपयोग के लिए सीमाएँ निर्धारित करें और ऑफ़लाइन गतिविधियों में शामिल होने के लिए नियमित ब्रेक लें। अपने और अपने आस-पास के लोगों से साथ जुड़ने के लिए डिजिटल डिटॉक्स पर विचार करें।

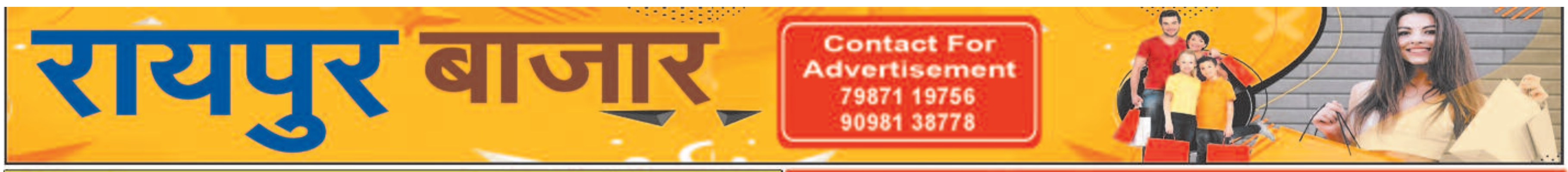

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

डेविड हार्बर ने मिली बॉबी ब्राउन के साथ की बदसलूकी, अभिनेत्री ने आरोपों पर अब तोड़ी चुप्पी

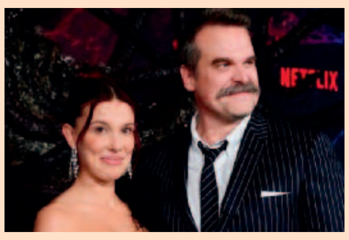

'स्ट्रेंजर्स थिंग्स' के नए सीजन की रिलीज से ठीक पहले अभिनेत्री मिली बॉबी ब्राउन और उनके को-स्टार डेविड हार्बर को लेकर एक विवाद ने अचानक सुर्खियां बटोर ली थीं। सोशल मीडिया और विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि मिली ने हार्बर पर सेट पर बदसलूकी और दबाव बनाने जैसे आरोप लगाए थे। हालांकि सीरीज की प्रीमियर नाइट पर दोनों को साथ देखा गया, मुस्कुराते हुए फोटो देते हुए। वहीं अब मिली बॉबी ब्राउन ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है और इस रिश्ते पर खुलकर बात की है। लॉस एंजेलिस में 6 नवंबर को हुए 'स्ट्रेंजर्स थिंग्स 5' के वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान मिली और हार्बर एक-दूसरे के साथ बेहद सहज नजर आए। इसने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि कुछ दिन पहले ही एक टैब्लॉइड रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मिली ने शो के फाइनल सीजन की शूटिंग शुरू होने से पहले हार्बर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इन आरोपों पर नेटफ्लिक्स ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन खबरों में दावा किया गया कि जांच कई महीनों तक चली और मिली को कथित तौर पर सेट पर एक प्रतिनिधि के साथ आना पड़ा। इसके बाद जब 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' ने मिली से पूछा कि ऐसी अफवाहों के बीच उन्होंने हार्बर के साथ एकजुट होकर क्यों खड़ा होना जरूरी समझा, तो अभिनेत्री ने बेहद साफ शब्दों में कहा कि उनका रिश्ता हमेशा से मजबूत रहा है। मिली के अनुसार, 'हम पिछले दस साल से यही कर रहे हैं। हम इस शो को दिल से प्यार करते हैं और अपनी दोस्ती को सबसे ऊपर रखते हैं।'

टॉलीवुड

ऑस्कर की बेस्ट एनिमेटेड फिल्म कैटेगरी में 'महावतार नरसिम्हा' की एंट्री

भगवान विष्णु के नरसिम्हा अवतार पर आधारित एनिमेटेड फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' ऑस्कर की रेस में शामिल हो गई है। भारत में बनी फिल्म के लिए यह बड़ी उप्लब्धि है।
फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' ने रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था। वर्ल्डवाइड इसने लगभग 326 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। अब यह फिल्म ऑस्कर को लेकर चर्चा में है। फिल्म 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स में बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म की ऑस्कर रेस में शामिल हो गई है। अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (एएमपीएएस) ने 2026 के ऑस्कर में बेस्ट एनिमेटेड फीचर के लिए चुनी गई 35 एनिमेटेड फीचर फिल्मों की एक लिस्ट जारी की है। इन फिल्मों पर अभी विचार किया जाना है।
'महावतार नरसिम्हा' का मुकाबला 'के-पॉप डेमन हंटर', 'जूटोपिया 2' और 'डेमन स्लेयर किमेत्सु नो याइबा इनफिनिटी कैसल' जैसी हिट फिल्मों से होगा। एक आधिकारिक बयान में, एएमपीएएस ने लिखा, '98वें एकेडमी अवॉर्ड्स के लिए एनिमेटेड फीचर फिल्म कैटेगरी में 35 फीचर फिल्में विचार के लिए मौजूद हैं। कुछ फिल्में अभी क्वालिफाई नहीं हुई हैं। इन्हें प्रोसेस पूरा करना होगा।' बता दें कि 'महावतार नरसिम्हा' अश्विन कुमार के निर्देशन में बनी है। इसे शिल्पा धवन ने प्रोड्यूस किया है और यह होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बनी है। यह 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म भगवान विष्णु के नरसिम्हा अवतार की कहानी कहती है। बताया जाता है कि इसके सात पार्ट रिलीज होंगे। यह इसका पहला पार्ट है। यह फिल्म अभी नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

भोजपुरी

ई वाला मजा नहीं पईवा बिहार में खेसारी के गाने ने उड़ा दिया गर्दा

खेसारी लाल यादव की सितंबर में रिलीज फिल्म 'गॉडफादर' से उनका सबसे तड़कता भड़कता गाना 'डिस्को में किसको नचाओगी' अब यूट्यूब पर रिलीज हो गया है। खास बात यह है कि गाने को म्यूजिक वीडियो को 24 घंटे में ही 5 लाख 60 हजार से अधिक व्यूज मिल गए हैं। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव बीते दिनों बिहार चुनाव को लेकर चर्चा में थे। हालांकि, वह छपरा से चुनाव हार गए, लेकिन पहली बार चुनावी मैदान में उतरकर भी उन्होंने जोरदार टक्कर दी। भोजवुड के इस हरफनमौला सिंगर-एक्टर के फैंस को निश्चय ही चुनावी हार से निराशा हुई होगी, लेकिन इसे भुलाने के लिए खेसारी का नया गाना 'डिस्को में किसको नचाओगी' काफी है। 'टाइम्स म्यूजिक भोजपुरी' यूट्यूब चैनल पर रिलीज इस गाने को महज 24 घंटे में 5.60 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। 53 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। जबकि 4500 से अधिक कॉमेंट्स की बारिश हुई है। खेसारी लाल यादव की पिछली रिलीज 'गॉडफादर' का गाना है। सिनेमाघरों में इस गाने की धुन पर सितंबर महीने में उनके चाहने वालों ने खूब नाच-गाना किया था। अब इसका फुल म्यूजिक वीडियो रिलीज हो गया है। गाने को खेसारी लाल यादव के साथ प्रियंका सिंह ने गाया है। भोजपुरी गाने की शुरुआत इसके नाम की तरह ही डिस्को थेक से होती है। जहां खेसारी भी पहुंचे हैं। पहली ही धुन ऐसी है, जो झूमने पर मजबूर कर दे।

पिछले कुछ सालों में ब्रूश धीरे-धीरे हमारे फैशन की दुनिया में वापस आ गए हैं और डिज़ाइनर पहले से कहीं ज़्यादा उन्हें पसंद कर रहे हैं। कैरोलिना हेरेरा ने सिंपल निट ड्रेस पर बड़े साइज़ के सुनहरे फूल चुने हैं। टोरी बर्च ने उन्हें वेलवेट ड्रेस और स्वेटर पर ज़्यादा पारंपरिक तरीके से स्टाइल किया है। वहीं बेव्जा ने हिप पर मज़ेदार तरीके से लगाने का विकल्प चुना है।

बालों में ज्यादा शैंपू लगाने से क्या होता है ? सिर धोने से पहले आप भी जान लें

वैसे तो बालों को सही से साफ करने के लिए शैंपू का इस्तेमाल सबसे सही रहता है, लेकिन इसके ज्यादा इस्तेमाल से आपके बालों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है।

कम होगी बालों की नमी

यदि आप नियमित रूप से बालों में जैसे सल्फेट्स और पैराबेन्स वाले शैंपू का इस्तेमाल करेंगे तो ये बालों और स्कैल्प की प्राकृतिक नमी को हटा सकते हैं, जिससे बाल रूखे और बेजान हो सकते हैं। ऐसे में यदि शैंपू इस्तेमाल कर रहे हैं तो वो सल्फेट्स और पैराबेन्स रहित होने चाहिए।

स्कैल्प पर होगी खुजली

ज्यादा शैंपू करने से स्कैल्प की त्वचा काफी ड्राई हो जाती है, जिससे खुजली और डैंड्रफ की समस्या हो सकती है। कई बार तो ये खुजली इतनी ज्यादा बढ़ जाती है, कि इसकी वजह से खुजली में खून तक आने लगता है। ऐसे में ऐसे शैंपू के इस्तेमाल से बचें, जिससे स्कैल्प ड्राई हो।

बाल होंगे कमजोर

बार-बार और ज्यादा शैंपू लगाने से बालों की बाहरी परत डैमेज हो सकती है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। ऐसमें हफ्ते में ज्यादा से ज्यादा तीन बार ही अपने बाल शैंपू से धोएं। वरना आपको काफी परेशानी हो सकती है।

खो सकता है स्कैल्प के प्राकृतिक तेल का संतुलन

हर किसी के बालों में प्राकृतिक तेल की परत होती है, जो उन्हें सुरक्षा और पोषण देती है। ज्यादा शैंपू इस परत को खत्म कर देता है, जिससे स्कैल्प या तो

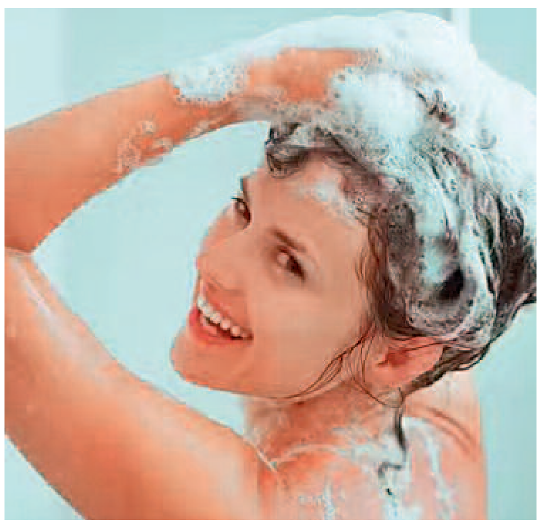

बहुत ड्राई या जरूरत से ज्यादा ऑयली हो सकता है। इससे भी बाल काफी कमजोर हो जाते हैं।

बालों का रंग उड़ना

अगर आप अपने बालों में कलर करा के रखते हैं तो बार-बार शैंपू करने से बालों का रंग उड़ सकता है। इसके साथ-साथ बालों की रंगत भी ज्यादा शैंपू से कम हो जाती है।

इन टिप्स को अपनाकर स्टाइल करें फ्लोरल ब्लेजर, दिखेंगी खूबसूरत

फ्लोरल ब्लेजर में आपका लुक यकीनन बेहद ही रिफ्रेशिंग लगता है। हालांकि, इसे सही तरह से स्टाइल करना बेहद जरूरी है। फ्लोरल ब्लेजर को स्टाइल करते हुए आप कुछ टिप्स को अपना सकती हैं। फ्लोरल ब्लेज़र एक ऐसा आउटफिट है, जो किसी भी लुक में काफी अच्छा लगता है। फिर भले ही आपने किसी पार्टी में जाने का मन बनाया हो या फिर ऑफिस के लिए रेडी हो रही हों, आप फ्लोरल ब्लेज़र को आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि फ्लोरल ब्लेज़र एक वर्सेटाइल पीस है, जो आपके लुक को बेहद रिफ्रेशिंग बनाता है। हालांकि, एक परफेक्ट लुक क्रिएट करने के लिए इसे सही तरह से स्टाइल करना बेहद जरूरी है। आप इसकी मदद से केजुअल और पॉलिश्ड लुक दोनों क्रिएट कर सकती हैं।

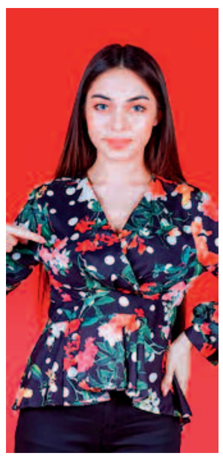

फ्लोरल ब्लेज़र को आप मोनोक्रोम लुक में पहनती हैं या फिर इसे जीन्स के साथ पेयर करती हैं या फिर इसके साथ आप किस तरह की एक्सेसरीज कैरी करती हैं, इससे आपका ओवर ऑल लुक बदल जाता है। जब भी आप फ्लोरल ब्लेज़र पहनें तो यह जरूर देखें कि आप इसे किस ओकेजन पर पहनना चाहती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि फ्लोरल ब्लेज़र पहनते समय आपको किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए-

बाकी आउटफिट को रखे सिंपल

यूं तो फ्लोरल ब्लेज़र एक रिफ्रेशिंग लुक देते हैं, लेकिन व आपके लुक को इंस्टेंट चेंज करते हैं और आपको एक बोल्ड टच दे सकते हैं। इसलिए, आपको अपने बाकी आउटफिट को बैलेंस तरीके से पहनना चाहिए। उदाहरण के लिए आप फ्लोरल ब्लेज़र को न्यूट्रल या मिनिमल पीस के साथ पेयर करें।

त्वचा के लिए वरदान है रसोई मिल जाएंगे आपको कई उपाय

अगर आप घर बैठे ही ग्लोइंग त्वचा पाना चाहती हैं तो रसोई में रखी चीनी से स्क्रब तैयार करें। सुनकर हैरानी हुई न, लेकिन ये सच है। चीनी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपकी त्वचा का ग्लो बरकरार रखने में मदद करते हैं। ऐसे में आप इससे स्क्रब बनाकर अपनी त्वचा को और निखार सकती हैं।

चीनी और नारियल तेल स्क्रब

इस स्क्रब को तैयार करने के लिए आपको चीनी के साथ-साथ नारियल के तेल की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पिसी हुई चीनी में नारियल का तेल मिक्स करें। अब इसे चेहरे पर लगाकर सर्कुलर मोशन में हल्के हाथ से मसाज करें। थोड़ी देर के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा।

चीनी और शहद

अगर आपके पास शहद भी उपलब्ध है तो चीनी में शहद मिक्स करके उसका पेस्ट बनाएं। अब इसमें थोड़ा सा नींबू का रस डालें। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और फिर अपनी चमकती त्वचा देखें।

चीनी और कॉफी

कॉफी और चीनी दोनों में ही ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिनके त्वचा डिटॉक्सिफाई होती है। इसके लिए चीनी, कॉफी और जैतून के तेल को अच्छी तरह से मिक्स करके इसका पेस्ट बनाएं। अब इसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथ से मसाज करें। इससे आपकी त्वचा भी खिल उठेगी। इस स्क्रब को तैयार करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में चीनी लेकर उसमें जैतून का तेल लें।

चेहरे के मुंहासों से हैं परेशान तो ये नुस्खे आएंगे आपके काम

मुंहासे एक आम समस्या है जो चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित कर सकती है। लेकिन कुछ घरेलू और प्राकृतिक नुस्खे अपनाकर आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं।

नीम: यदि आपके घर के आस-पास नीम का पेड़ हैं तो नीम की पत्तियों को पीसकर इसका पेस्ट बनाएं और इसे मुंहासों पर लगाएं। नीम में एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो मुंहासों को कम करने में मदद करते हैं। इससे चेहरे की कई अन्य परेशानियां भी दूर होती हैं।

एलोवेरा जेल : एलोवेरा का पौधा लगभग हर घर में रहता ही है। ऐसे मे हर रोज ताजे एलोवेरा जेल को सीधे चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है, सूजन कम करता है, और त्वचा को मॉइस्चराइज करता है। त्वचा को जब ठंडक मिलती है तो मुंहासों में कमी आ जाती है।

शहद और दालचीनी का पैक: इस पैक के इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल उठेगी। इसके इस्तेमाल के लिए एक चम्मच शहद में 1/2 चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 10-15 मिनट तक रखें

और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इससे मुंहासों के बैक्टीरिया मारने में मदद मिलती है।

टमाटर का रस: टमाटर तो आजकल काफी सस्ते भी हैं। ऐसे में आप टमाटर का रस चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। ये त्वचा के तेल को नियंत्रित करता है और मुंहासों को कम करता है।

बेसन और हल्दी का उबटन: ये उबटन भी मुंहासों को कम करने में काम आता है। इसके इस्तेमाल के लिए 2 चम्मच बेसन, 1/4 चम्मच हल्दी, और थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर सूखने दें और फिर धो लें। यह त्वचा से अतिरिक्त तेल और गंदगी हटाने में मदद करता है।

कार्नर न्यूज

मेंस फैशन में चेहरा संवारना सबसे पहली जरूरत, अपनाएं जरूरी टिप्स

सुबह-सुबह चेहरे पर दिखेगी अलग ही रौनक बस सोने से पहले करनी होगी जरा सी मेहनत

चेहरे को साफ रखना बहुत ज़रूरी है। रोज़ाना चेहरे को अच्छी तरह धोने से धूल-मिट्टी फेस पर जमा नहीं होते हैं। चेहर पर एक अच्छा मॉइस्चराइज़र और सनस्क्रीन इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है। आजकल के भागदौर भरी जिंदगी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप अपने चेहरे का ख्याल किस प्रकार रख सकते हैं।
रात के समय अपने चेहरे की देखभाल करना बहुत ज़रूरी है। क्योंकि यह वह समय होता है जब आप दिन भर की भागदौड़ के बाद कुछ वक्त अपने लिए निकालते हैं। प्रदूषण, तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली के कारण आजकल युवा चेहरे भी फीके दिखने लगे हैं।
चेहरे पर झुर्रियां, मुंहासे और पिगमेंटेशन आम समस्याएं
चेहरे पर झुर्रियां, मुंहासे और पिगमेंटेशन आम समस्याएं हैं जो न केवल किसी की शक्ल-सूरत को प्रभावित करती हैं बल्कि आत्मविश्वास को भी गिराती हैं। सोने से पहले स्किनकेयर रूटीन को लागू करने से इन त्वचा संबंधी समस्याओं से निपटा जा सकता है,

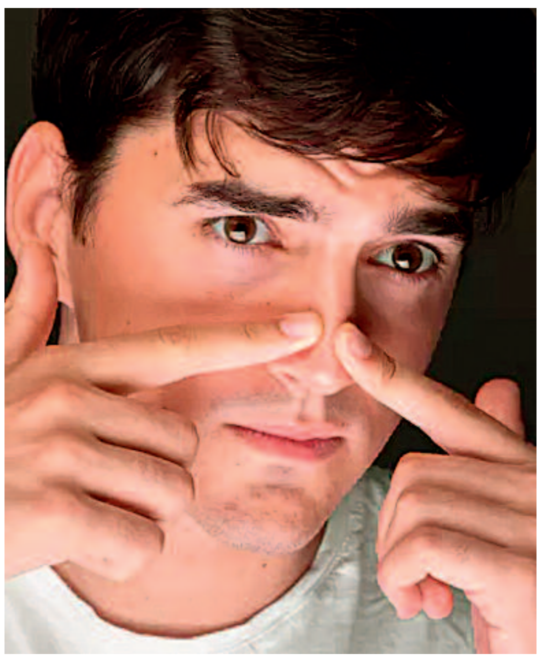

आइए जानते हैं कि आप अपने चेहरे की हिफाजत किस तरह कर सकते हैं।

गुलाब जल चेहरे के लिए फायदेमंद

रात के समय चेहरे को अच्छी तरह धोना बहुत जरूरी है। क्योंकि चेहरे पर मौजूद गंदगी मुंहासे और फुंसियों की समस्या को बढ़ा सकता है। कोमल और प्रभावी सफाई के लिए गुलाब जल का उपयोग करना उचित है। गुलाब जल चेहरे के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है।

चेहरा धोना बहुत ज़रूरी

किसी भी गंदगी और प्रदूषक को हटाने के लिए क्लींजर से अपना चेहरा धोना बहुत ज़रूरी है। इसके लिए आप अपनी त्वचा के प्रकार से मेल खाने वाले क्लींजर का चयन कर सकते हैं। गुनगुने पानी से धोने से पहले अपने चेहरे पर धीरे से मालिश करें, इससे आपकी त्वचा तरोताज़ा और साफ़ महसूस करेगी।
चेहरे को साफ सूती कपड़े से सुखाएं
चेहरे को साफ करने के बाद अपने चेहरे को साफ सूती कपड़े से सुखाएं। ध्यान रखें कि रगड़ने के बजाय धीरे से थपथपाएं। इसके बाद, अपनी त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित करने के लिए स्प्रे बोतल या कॉटन बॉल का उपयोग किया जा सकता है। सीरम किसी भी स्किनकेयर रूटीन का अभिन्न अंग है, खासकर रात में, क्योंकि वे झुर्रियों, काले धब्बों और मुंहासों जैसी समस्याओं से लड़ता है।